



RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

वर्ष : 15 | अंक:273 | पेज:12 | mahanagarmetro7@gmail.com

|| अहमदाबाद, (सोमवार) 25 मई 2026 ||

मेट्रो

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन +91-9638877700

mahanagarmetro7@gmail.com

सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)। मूल्य :- 1.50 रु.-/

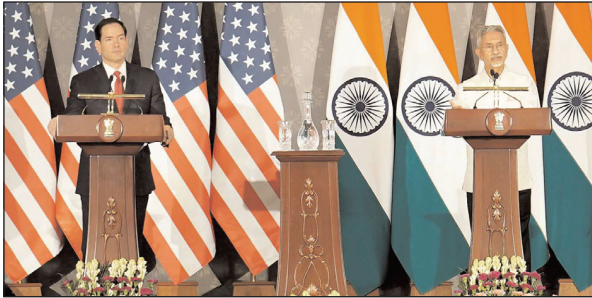
●अमेरिकी विदेश मंत्री के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में जयशंकर ने कहा- भारत संघर्ष की बजाय कूटनीति का समर्थक

एजेंसी नई दिल्ली। नई दिल्ली, 24 मई (हि.स.)। भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि वह संघर्ष के बजाय बातचीत और कूटनीति का समर्थक है। भारत सुरक्षित और निर्बाध समुद्री व्यापार, अंतरराष्ट्रीय

●जयशंकर ने कहा कि भारत अमेरिका, इजराइल, ईरान और खाड़ी देशों के साथ मनबूत संबंध बनाए हुए है।

कानूनों के सम्मान, विश्वसनीय सप्लाय चैन और वैश्विक आर्थिक स्थिरता पर जोर देता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत संसाधनों और बाजार हिस्सेदारी को हथियार की तरह इस्तेमाल किए जाने के खिलाफ है। विदेश मंत्री एस.

जयशंकर और उनके अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो के बीच रविवार को प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। इसमें भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत



करने पर जोर दिया गया। इसके बाद संयुक्त प्रेस वार्ता में जयशंकर ने कहा कि भारत अपनी 140 अरब की आबादी की ऊर्जा जरूरत के प्रति समर्पित है और विविध स्रोतों से किफायती ईंधन खरीदने का पक्षधर है। साथ ही वैश्विक संघर्षों के बीच रक्षा क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में 'मेक

इन इंडिया' की नीति को विशेष महत्व देता है। जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच सहयोग लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी पक्ष की भारत के साथ

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि पिछले एक वर्ष में अमेरिका से भारत के ऊर्जा आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा के लिए विविध स्रोत जरूरी हैं और अमेरिका भारत के लिए विश्वसनीय ऊर्जा साझेदार बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच लोगों के आपसी संबंध साझेदारी की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने वैध यात्रियों के लिए वीजा प्रक्रिया आसान बनाए रखने पर जोर दिया। जयशंकर ने आतंकवाद के खिलाफ जोरों टॉलरेंस की नीति दोहराई और 26/11 हमले के प्रमुख साजिशकर्ता के प्रत्यर्पण पर अमेरिका के सहयोग की सराहना की। जयशंकर ने कहा कि भारत अमेरिका, इजराइल, ईरान और खाड़ी

देशों के साथ मजबूत संबंध बनाए हुए है। भारत क्षेत्रीय संबंधों को 'जोरो-सम' की दृष्टि से नहीं देखता और सभी साझेदारियों को संतुलित तरीके से आगे बढ़ाना चाहता है। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि भारत-अमेरिका संबंधों की गति बरकरार है। भारत अमेरिका का महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है और दोनों लोकतांत्रिक देश वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका का किसी अन्य देश के साथ संबंध भारत के साथ उसकी रणनीतिक साझेदारी की कीमत पर नहीं है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि भारत उन्नत तकनीकी क्षमताओं वाला महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है। दोनों लोकतांत्रिक देश 21वीं सदी की अत्याधुनिक तकनीकों, वैश्विक नवाचार और साझा राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

देशों के साथ मजबूत संबंध बनाए हुए है। भारत क्षेत्रीय संबंधों को 'जोरो-सम' की दृष्टि से नहीं देखता और सभी साझेदारियों को संतुलित तरीके से आगे बढ़ाना चाहता है। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि भारत-अमेरिका संबंधों की गति बरकरार है। भारत अमेरिका का महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है और दोनों लोकतांत्रिक देश वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका का किसी अन्य देश के साथ संबंध भारत के साथ उसकी रणनीतिक साझेदारी की कीमत पर नहीं है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि भारत उन्नत तकनीकी क्षमताओं वाला महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है। दोनों लोकतांत्रिक देश 21वीं सदी की अत्याधुनिक तकनीकों, वैश्विक नवाचार और साझा राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

आगामी यूपी विधानसभा चुनाव के लिए पूरी जी जान से जुटें कार्यकर्ता: मायावती

●यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए

एजेंसी लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रविवार को यूपी विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों को लेकर पार्टी पदाधिकारियों को जीत का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बसपा की एक बार फिर से सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ता कोई कसरत छोड़े और पूरे जी जान से वोट की सुरक्षा करें।

बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को यहां 12 माल एक्वेन्यू स्थित पार्टी मुख्यालय पर सभी वरिष्ठ पदाधिकारी, कोऑर्डिनेटर और जिलाध्यक्षों के साथ एक बैठक की। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि देश में चुनाव जिस प्रकार की नई-नई चुनौतियों के बीच हो रहे हैं, उसको देखते हुए पार्टी की तैयारियों के हर स्तर पर और भी चुस्त-दुरुस्त और मुस्तैद बनाने की जरूरत है। ताकि पार्टी के पक्ष में बढ़ते हुए जन

रझान के फलस्वरूप यूपी में पांचवीं बार बसपा की सरकार बनाने का मिशनरी लक्ष्य सुनिश्चित हो सके। बसपा प्रमुख ने कहा कि यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न



बरती जाए। सन 2007 की तरह पूरी तरह डटकर विरोधियों का सामना करना है और प्रत्याशियों के चयन में सावधानी बरतनी होगी। प्रदेश में बसपा की एक बार फिर से सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए मायावती ने कहा

कि पूरी जी जान से वोट की सुरक्षा करना है। मायावती ने कहा कि अभी हाल में ही सम्पन्न हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को कुछ हुआ व जिस प्रकार से हुआ उसका संज्ञान लेने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड व पंजाब राज्य में अगले वर्ष विधानसभा का चुनाव होना है। पिछले चुनाव से सबक सीखकर आगे बढ़ना होगा, जब खासकर सत्ताधारी पार्टी व सरकारें वादों आदि की खानापूर्ति करने तथा अन्य प्रकारों की अभूतपूर्व तरीके से चुनाव प्रभावित करने में सफल हो जाते हैं। इसके बाद वो लोग जन हितों पर गंवरेंस की बजाय ज्यादातर ध्यान भटकाने वाले कार्यकलापों के कारण फिर जनता अपने आपकों काफी उछा हुआ महसूस करने लगती है, किंतु उसका क्या लाभ जब चड़िया चुग गई खेत। बसपा प्रमुख ने कहा कि पार्टियां चुनाव के समय जनहितों और जनकल्याणकारी होने का ढिंढोरा पीटती है और उससे धन लुटाती है।

आसमान से बरती आग!...



नई दिल्ली में लोग धूप और गर्म हवाओं से बचने के लिए सिर पर कप और स्कार्फ लगाए दिखे।



आगरा के ताजमहल में गर्मी के बीच एक बुजुर्ग पर्यटक पानी पीता नजर आया।

कंचनगंगा में हिमस्खलन कोई नुकसान नहीं, प्रशासन ने बढ़ाई निगरानी

एजेंसी चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले के बदरीनाथ यात्रा के दौरान कंचनगंगा क्षेत्र में हिमस्खलन की घटना सामने आई है। घटना के दौरान आसपास मौजूद यात्रियों और स्थानीय लोगों में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि प्रशासन का कहना है कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि अथवा संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ है और स्थिति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। चमोली जिलाधिकारी गौरव कुमार ने रविवार को बताया कि हिमस्खलन सड़क तक नहीं पहुंचा और खाई क्षेत्र में ही रुक गया, जिससे यातायात एवं आम जनजीवन प्रभावित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और पर्वतीय क्षेत्रों में समय-समय पर इस प्रकार की घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने बताया कि प्रशासन ने क्षेत्र की निगरानी बढ़ा दी है और संबंधित विभाग लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। चारधाम यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं और यात्रा

व्यवस्थाएं सामान्य रूप से संचालित की जा रही हैं। जिलाधिकारी ने आमजन से सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से फैल रही अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नागरिक केवल प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही



विश्वास करें। जानकारी के अनुसार, बढ़ते तापमान के कारण ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ तेजी से पिघल रही है, जिससे हिमखंडों के टूटने और नीचे खिसकने की घटनाएं बढ़ रही हैं। गर्मियों के दौरान कंचनगंगा और आसपास के क्षेत्रों में इस प्रकार की प्राकृतिक घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं। प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

इबोला संकट से निपटने के लिए भारत ने अफ्रीका को भेजी चिकित्सा सहायता की पहली खेप

● 'उमरते इबोला जन स्वास्थ्य आपातकाल से निपटने में अफ्रीकी देशों के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है'

एजेंसी नई दिल्ली। भारत सरकार ने अफ्रीका में तेजी से फैल रहे इबोला जन स्वास्थ्य आपातकाल से निपटने के लिए मानवीय सहायता के तहत चिकित्सा सामग्री और सुरक्षा किटों की पहली खेप रविवार को रवाना कर दी। यह सहायता अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी) को भेजी गई है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि भारत उमरते इबोला जन स्वास्थ्य आपातकाल से निपटने में अफ्रीकी देशों के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा, 'इबोला संकट से निपटने में अफ्रीका का समर्थन करने के लिए हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।' भारत द्वारा भेजी गई इस सहायता में चिकित्सा उपयोग की आवश्यक सामग्री, सुरक्षा उपकरण और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए विशेष सुरक्षा किट शामिल हैं। इन संसाधनों का उपयोग प्रभावित

क्षेत्रों में संक्रमण नियंत्रण, मरीजों की देखभाल और स्वास्थ्यकर्मियों की

इबोला संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर



सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा। अफ्रीका के कई हिस्सों में

सहयोग और संसाधनों की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

ऐसे समय में भारत की यह पहल वैश्विक एकजुटता और साझेदारी का महत्वपूर्ण उदाहरण मानी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि इबोला जैसी संक्रामक बीमारी से निपटने के लिए त्वरित चिकित्सा सहायता, सुरक्षा उपकरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग अत्यंत आवश्यक हैं। भारत पहले भी विभिन्न देशों को स्वास्थ्य आपात स्थितियों के दौरान दवाइयां, वैक्सीन और चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराता रहा है। भारत सरकार ने संकेत दिए हैं कि आवश्यकता पड़ने पर आने वाले दिनों में अतिरिक्त सहायता सामग्री भी भेजी जा सकती है, ताकि प्रभावित देशों को राहत और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में मदद मिल सके।

कर्नाटक दौरे पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ●संगठन मजबूती और चुनावी रणनीति पर मंथन

एजेंसी बेंगलुरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार कर्नाटक पहुंचे नितिन नवीन का राज्य भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। शनिवार देर रात बेंगलुरु पहुंचने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट से लेकर पार्टी कार्यालय तक कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। रविवार सुबह नितिन नवीन ने पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के आमंत्रण पर उनके आवास पहुंचकर नाश्ता बैठक में हिस्सा लिया।

करीब एक घंटे तक चली इस मुलाकात में राज्य में भाजपा संगठन को और मजबूत बनाने, आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों तथा चुनावी तैयारियों को लेकर अनौपचारिक चर्चा हुई। पार्टी सूत्रों के अनुसार, बैठक में बृथ स्तर तक संगठन की सक्रियता बढ़ाने और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय मजबूत करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। इससे पहले आज नितिन नवीन ने बेंगलुरु के प्रसिद्ध काडु मल्लेश्वर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की और राज्य की समृद्धि एवं भाजपा की

संगठनात्मक सफलता की कामना की। मंदिर में दर्शन के दौरान स्थानीय नेताओं और श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद



भाजपा प्रदेश कार्यालय में नितिन नवीन की अध्यक्षता में कई अहम बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में पार्टी के वर्तमान और पूर्व विधायक, सांसद, विधान परिषद सदस्य और विभिन्न पदाधिकारी शामिल हुए। अलग-अलग सत्रों में नेताओं से संगठन की स्थिति, जनसंपर्क अभियान और आगामी राजनीतिक चुनौतियों पर फोडबैक लिया गया।

शाम को होने वाली भाजपा राज्य कोर कमेटी की बैठक को राजनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण

माना जा रहा है। बैठक में राज्य की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, संगठन विस्तार, आगामी चुनावों की रणनीति, युवा और महिला मोर्चा की

सक्रियता तथा कार्यकर्ताओं के समन्वय जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होने की संभावना है। माना जा रहा है कि पार्टी नेतृत्व आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक ढांचे को और धार देने की तैयारी में जुटा है। अपने कर्नाटक दौरे को लेकर नितिन नवीन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भी संदेश साझा किया। उन्होंने कहा कि बी.एस. येदियुरप्पा ने कर्नाटक में भाजपा के विस्तार और संगठन को मजबूत बनाने में अमूल्य योगदान दिया है।

ट्रम्प बोले- ईरान के साथ ओबामा जैसी डील नहीं करेंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वह ईरान के साथ ओबामा जैसी डील नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि तब ईरान के साथ हुआ परमाणु समझौता अमेरिका के इतिहास की सबसे खराब डीलस से एक था। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि उस समझौते ने ईरान को परमाणु हथियार बनाने का सीधा रास्ता दे दिया था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अभी ईरान के साथ जिस समझौते पर बातचीत कर रही है, वह बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा कि

उन्होंने अपने प्रतिनिधियों को जल्दबाजी न करने के निर्देश दिए हैं, क्योंकि वक्त अमेरिका के पक्ष में है। ट्रम्प ने कहा कि जब तक नया समझौता पूरी तरह फाइनल होकर उस पर आधिकारिक हस्ताक्षर नहीं हो जाते, तब तक ईरान पर लगाया गया अमेरिकी घेराबंदी अभियान पूरी तरह जारी रहेगा। ट्रम्प ने कहा, 'दोनों पक्षों की समय लेना चाहिए और चीजों को सही तरीके से करना चाहिए। इसमें कोई गलती नहीं हो सकती।' उन्होंने दोहराया कि ईरान को किसी भी हालत में परमाणु हथियार या परमाणु बम विकसित करने या हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मंदसौर चातुर्मास पर 'फिरौती गैंग' की नज़र: आस्था के महापर्व में खलल डालने वाले पाखंडी बेनकाब!

ब्लैकमेलरों के खिलाफ एकजुट हुआ जैन समाज; झूठी अफवाहें और फेक फोटो फैलाने वालों पर पुलिस का शिकंजा शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मंदसौर। मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक नगरी मंदसौर में इस बार जैन धर्म के इतिहास का सबसे भव्यतिभव चातुर्मास आयोजित होने जा रहा है। यह पहला मौका है जब मंदसौर जैन तीर्थधाम पर एक साथ 5-5 पूज्य आचार्य भगवंतों का पावन मंगल प्रवेश और स्थिरता होने जा रही है। परम पूज्य आचार्य भगवंत श्री अशोकसागर सूर्येश्वरजी महाराज साहेब, श्री सागरचंद्रसागर जी महाराज साहेब एवं श्री सोमयचन्द्रसागर जी महाराज साहेब जैसे महान संतों की निश्रा में पूरा मंदसौर और मध्य प्रदेश का जैन समुदाय भक्ति के सागर में गोते खा रहा है। समस्त मंदसौर जैन श्री संघ द्वारा आयोजित इस चातुर्मास को लेकर भक्तों में अभूतपूर्व उत्साह है। लेकिन, इस पावन और भक्तिमय माहौल को कुछ समाजकंटक और क्रिमिनल मानसिकता वाले लोग अपनी गंदी नजरों से दूषित करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं।

कथित पत्रकारों और ब्लैकमेलरों की तिकड़ी का धिनीना खेल

जैसे ही मंदसौर में इस ऐतिहासिक चातुर्मास की घोषणा हुई, समाज में छुपे कुछ आस्तीन के सांप और फिरौतीबाज सक्रिय हो गए। खुद को जैन समुदाय का हितैषी बताते का ढोंग करने वाला कथित पत्रकार हार्दिक हुड्डिया, क्रिमिनल मानसिकता वाला जगत पारेख, विक्रम बाफना और कल्पेश सिंघवी सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार जहर उगल रहे हैं। ये वो चेहरे हैं जो दिन-रात जैन समाज को तोड़ने और संतों की साधना में विघ्न डालने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भ्रामक और झूठी अफवाहें फैलाकर इनका एकमात्र मकसद इस पावन चातुर्मास को किसी न किसी तरह रोकना और जैन संघ को मानसिक रूप से प्रताड़ित करना है।



भगवान महावीर का भी खौफ नहीं, चातुर्मास की आड़ में फिरौती का षड़यंत्र!

आस्था पर चोट करने वाले इन पाखंडियों को भगवान महावीर के सिद्धांतों और कर्मा के फल का भी कोई खौफ नहीं है। विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, चातुर्मास में बाधा उत्पन्न करने और संतों की छवि खराब करने की धमकी देकर यह पूरी मंडली जैन संघ से मोटी फिरौती वसूलने का गंदा षड़यंत्र रच रही थी। लेकिन इस बार इन ब्लैकमेलरों का पाला एक जागृत और जागरूक समाज से पड़ा है। बड़ा खुलासा: फेक तस्वीरें और झूठी खबरें हुई फेल इस गिराह ने अपनी साजिश के तहत एक राष्ट्रीय समाचार पत्र को गुमराह करके यह झूठी खबर चलवाई थी। लेकिन जब उस प्रतिष्ठित समाचार पत्र को सच्चाई का पता चला, तो उन्होंने दोबारा इस बकवास को कोई जगह नहीं दी। सच की जीत हुई। जैन श्री संघ ने पूज्य संतों को पूरी तरह 'क्लीनफिट' दे दी है और जांच में यह साबित हो चुका है कि इंटरनेट पर फैलाए जा रहे सभी फोटो और दस्तावेज पूरी तरह 'फेक' और एडिटेड हैं।

सागर समुदाय की बढ़ती लोकप्रियता से पेट में दर्द, पीछे कौन है मास्टरमाइंड?

हेरानी की बात यह है कि इस विवाद को तूल देने वाले आरोपियों का न तो सागर समुदाय से कोई लेना-देना

है और न ही वे जैन संघ से जुड़े हैं। तो फिर सागर समुदाय के खिलाफ यह सुनियोजित षड़यंत्र क्यों? दरअसल, सागर समुदाय की बढ़ती लोकप्रियता और सच संघों से ये लोग जुड़े हैं, उनकी घटती साख इस विवाद की असली वजह है। जैन समुदाय को आपस में लड़ाकर तोड़ने का काम किया जा रहा है। सवाल यह उठता है कि इन मोहरों के पीछे असली मास्टरमाइंड कौन है, जो सागर समुदाय को बदनाम करने के लिए इन्हें मोहरे की तरह इस्तेमाल कर रहा है?

करारा तमाचा: समाज हुआ एकजुट, पुलिस कार्रवाई शुरू

इन कलंकित और पाखंडी तत्वों के मंसूबों पर पानी फेरते हुए पूरे मध्य प्रदेश का जैन समाज अब चट्टान की तरह एकजुट हो गया है। समाज विरोधी इन चेहरों को पूरी तरह पहचान लिया गया है। इस मामले को गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने भी इन ब्लैकमेलरों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

महानगर मेट्रो का स्टैंड: समाज से बाहर फेंकने का वक्त

ऐसे धन-लोलुप, ब्लैकमेलर और संतों की निंदा करने वाले कलंकित व्यक्तियों को जैन समाज से तुरंत बहिष्कृत (बाहर) कर देना चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी आस्था के साथ खिलवाड़ करने की हिम्मत न कर सके। महानगर मेट्रो न्यूज हमेशा सत्य की आवाज रहा है और रहेगा। हमारी इस निष्पक्ष और सच्ची खबर ने इन ब्लैकमेलरों की जड़ों को हिलाकर रख दिया है। महानगर मेट्रो हर परिस्थिति में जैन समुदाय, जैन श्री संघ और पूज्य संतों के साथ अडिग खड़ा है और समाज को खोखला करने वाले ऐसे पाखंडियों को बेनकाब करने का अपना पत्रकारिता धर्म निभाता रहेगा।

ऑल इंडिया ओल्ड टैम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट के प्रदेश प्रभारी बनाये गए समाजसेवी नीलेशकुमार सुराणा।



महानगर मेट्रो ब्यूरो

ऑल इंडिया ओल्ड टैम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट के चेयरमैन आर के जैन ने समाजसेवी नीलेश कुमार सुराणा,जावरा को समाज, प्रदेश , राष्ट्र एवं मंदिरों के प्रति सेवाओं को देखते हुए मध्यप्रदेश का प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया है । ट्रस्ट के चेयरमैन जैन ने कहा की भाई नीलेश की कार्यकुशलता एवं निस्वार्थ सेवा का भाव अदभुत है हम लंबे समय से चाह रहे थे कि आप भी हमारे ट्रस्ट में जुड़कर पुराने जीर्ण शीर्ण मंदिरों को नूतन मंदिर बनाने में अपनी सेवाएं प्रदान करें। प्रदेश प्रभारी नियुक्त होने के बाद सुराणा ने कहा की जब जब समाज, प्रदेश ,राष्ट्र एवं जीर्ण शीर्ण मंदिरों के पुनः जीर्णोद्धार की बात आएगी हमेशा मेरा साथ आपके साथ एवं अन्य सभी सामाजिक संगठनों के साथ बना रहेगा। आपने जो मुझे जिम्मेदारी सौंपी है उसके लिए आपका एवं ट्रस्ट के सभी साथियों का आधार प्रकट करता हूं। ऑल इंडिया ओल्ड टैम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट के प्रदेश प्रभारी नियुक्त होने पर गच्छधिपति आचार्य श्री हितेशचंद्र सुरीश्वर जी म.सा. ने गुरुभक्त नीलेश सुराणा को शुभकामना एवं आशीर्वाद दिए और कहा की निरंतर ऐसे ही सेवाकार्य करते रहे और सभी को साथ लेकर चलने वाली आपकी को भावना रहती है उसी पर चलते रहे। आप निस्वार्थ रूप से सेवा करते चले आ रहे यह आपके उत्कृष्ट सेवाभाव को दर्शाता है। सुराणा के प्रदेश प्रभारी नियुक्त होने पर समाजसेवी नीलेश सकलेचा इंदौर, विजय जैन खण्डवा, संजय आनर शाह अहमदाबाद, सुरेश पुनर्मिया मुंबई,जीवनलाल जैन नागदा, सुनील गोलिया अमेरिका, रितेश खाबिया उज्जैन , संजय सुराणा जावरा, नरेश सकलेचा रतलाम, शौकीन जैन नीमच, जीतू गोखरू जावरा, मनीष चोपड़ा इंदौर, धवल चोरा पुणे , मनीष जैन हैदराबाद, पंकज चोपड़ा खाचरोद, शैलेश कोचर महिदपुर, अश्विन चोपड़ा उज्जैन, अशोक चोपड़ा जावरा, नीलेश बाफना रतलाम , प्रदीप बाफना बड़ावदा, सुधीर कोचड़ा जावरा, रेखा सुराणा , हंसा सुराणा , प्रियंका सुराणा , प्रविशा सुराणा ,दिव्या सुराणा , सुहानी सुराणा जावरा, अनुप्रिया चोपड़ा, किरण चोपड़ा खाचरोद, विभा शाह नीमच, खुशबू दंड मुंबई, सुनीता नाहर , जावरा एवं अनेक प्रदेशवासियों ने , देशवासियों ने ,इष्टमित्रों ने, परिवारजनों ने, समाजसेवियों ने समाजसेवी नीलेश कुमार सुराणा जैन को बधाई प्रेषित की। नागदा से जीवनलाल जैन की रिपोर्ट। -9179662633

अहमदाबाद रूलर सेशंस कोर्ट का बड़ा फैसला: पति की हत्या के जुर्म में पत्नी और उसके प्रेमी को अक्कैद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद रूलर सेशंस कोर्ट ने आज 2023 में अपने प्रेम संबंधों में रुकावट बने पति की हत्या के दिल दहला देने वाले मामले में ऐतिहासिक और सख्त फैसला सुनाया है। कोर्ट ने पति की हत्या करने वाली महिला और उसके प्रेमी को दोषी करार देते हुए कानून का सबक सिखाते हुए अक्कैद की सजा सुनाई है। इस फैसले से समाज में गंभीर अपराध करने वाले लोगों में गुस्सा फैल गया है। इस मामले की डिटेल जानकारी के मुताबिक, साल 2023 में इस महिला का किसी दूसरे युवक से प्रेम संबंध था। पति को इस अवैध संबंध के बारे में पता न चले और उनके प्यार में कोई रुकावट न आए, इसके लिए पति और उसके प्रेमी ने अपने पति को रास्ते से हटाने के लिए पहले से प्लान की हुई और क्रूर साजिश रची थी। दोनों ने मिलकर बेगुनाह पति पर हमला करके उसे मार डाला। इस मर्डर की घटना के बाद पुलिस ने डिटेल में जांच की और पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार करके कोर्ट में उनके खिलाफ मजबूत चार्जशीट पेश की। जैसे ही केस अहमदाबाद रूलर सेशंस कोर्ट में गया, सरकारी वकील ने मजबूत दलीलें दीं। कोर्ट ने मेडिकल रिपोर्टें, गवाहों की गवाही और पुलिस द्वारा इकट्ठा किए गए सभी साइटिफिक सबूतों को मान लिया। कोर्ट ने कहा कि शादी के पवित्र रिश्ते को कलंकित करने किया गया यह जुर्म बहुत गंभीर है और ऐसे अपराधियों के प्रति कोई ऋमी नहीं बरती जा सकती। आखिर में, सेशंस कोर्ट ने दोनों आरोपियों को कानून के मुताबिक अक्कैद और जुर्माना लगाने का आदेश दिया है। इस फैसले से कोर्टरूम में गरमागरम बहस छिड़ गई और कानून की जीत पर बहस छिड़ गई।

कलोल हाईवे पर हिट एंड रन: SBI बैंक के सामने मोटरसाइकिल की टक्कर से 8 साल की बच्ची घायल,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पंचमहल। जिले में कलोल-गोधरा हाईवे पर बैंक के सामने का कल दोपहर एक भयानक हादसा हुआ। तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रहे एक मोटरसाइकिल ड्राइवर ने सड़क पार कर रही 8 साल की मासूम बच्ची को टक्कर मार दी, जिससे उसके शरीर और पैर में मामूली चोटें आईं। हादसा करने के बाद मोटरसाइकिल ड्राइवर अपनी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। शिकायत की डिटेल्स पर गौर करें तो, मूल रूप से राजस्थान के बाड़मेर जिले के रहने वाले और फिलहाल कलोल-गोधरा हाईवे पर 'रामदेव रेस्टोरेंट' चलाने वाले पोकरराम मनकराम परमार ने कलोल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक, 23 मई, 2026 को शाम करीब 4 बजे, उसके होटल पर काम करने वाले उसके चाचा के बेटे गोपाल और अंबाराम, शिकायत करने वाली की दो बेटियाँ (सरोज और निक्ता) और बेटे वीरेंद्र के साथ होटल से घर पैदल जा रहे थे। तो गोधरा की तरफ से आ रही एक मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन नंबर: MP-45-MS-7135) के ड्राइवर ने अपनी बाइक तेज रफ्तार से चलाई और 8 साल की निक्ता को जोरदार टक्कर मार दी। एक्सीडेंट की खबर मिलते ही पिता पोकरराम तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल निक्ता को इलाज के लिए कलोल के 'सिद्धि विनायक हॉस्पिटल' में भर्ती कराया। कलोल पुलिस ने मोटरसाइकिल नंबर MP-45-MS-7135 के अनजान ड्राइवर के खिलाफ इंडियन सिविल सिक्वोरिटी कोड के सेक्शन 281, 125 और मोटर व्हीकल एक्ट के सेक्शन 17 सेल, 187 के तहत केस दर्ज किया है और कानूनी कार्रवाई कर रही है।

प्रादेशिक

सरगम के पीछे जहरीली शराब-जुए का साम्राज्य, क्या पुलिस कार्रवाई का इंतजार कर रही है ?

अंकलेश्वर में ‘दत्तू’ का आतंक!

महानगर मेट्रो स्पेशल रिपोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंकलेश्वर। भरूच जिले के अंकलेश्वर में कानून-व्यवस्था पूरी तरह खत्म हो चुकी है। अंकलेश्वर A डिवीजन पुलिस स्टेशन की नाक के नीचे खाकी का डर पूरी तरह खत्म हो चुका है। यहां सरगम शॉपिंग सेंटर के पीछे झोपड़ियों की आड़ में गुजरात के शराबबंदी कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। लोकल पुलिस की मेहरबानी से यहां जुए के अड्डे और केमिकल महारानी देसी शराब की फैक्ट्रियां फल-फूल रही हैं, जो किसी बड़ी मुसीबत को खुला न्योता है।

भारती-ज्योति का जुए का अड्डा और रमेश वसावा का केमिकल वाला काला धंधा

अंदरूनी सूत्रों से मिली सनसनीखेज जानकारी के मुताबिक, भारती और ज्योति नाम की दो महिला बूटलेगर इस पापी साम्राज्य में लेडी डॉन की तरह काम कर रही हैं। पुलिस की किसी रेड के डर के बिना, ये दोनों औरतें खुलेआम श्री पत्नी, वर्ली मटका और चकली-पोपट जैसे जुए के अड्डे चला रही हैं, जहाँ हर दिन लाखों रुपये जीते और हारे जाते हैं। जैसे कि इतना ही काफी नहीं था, उसी जगह पर रमेश वसावा नाम का एक बेशर्म बूटलेगर देसी शराब का काला धंधा चला रहा है। ज़्यादा मुनाफ़ा कमाने के अंधे और भयानक लालच में, बड़े बूटलेगर शराब बनाते समय उसमें खतरनाक और जहरीले केमिकल मिला रहा है, ताकि कैदियों को जल्दी नशा हो

बारेजा में पुलिस का बड़ा खेल? कॉल सेंटर पर रेड, वर्ली मटका के लिए क्राइम दर्ज!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। कॉल सेंटर पर रेड, वर्ली मटका के लिए क्राइम दर्ज! मिली जानकारी के मुताबिक, असलाली पुलिस स्टेशन के डी-स्टाफ के PSI और उनकी टीम ने खास जानकारी के आधार पर बारेजा इलाके में चल रहे एक कॉल सेंटर पर रेड मारी। पुलिस ने वहां से कुछ युवकों को हिरासत में लिया और थाने ले आई। अब आरोप लग रहा है कि कॉल सेंटर पर कागजों में बड़ा क्राइम दर्ज करने के बजाय, अंदरूनी व्यवस्था करके सभी को छोड़ने की चर्चा थी। डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ़ पुलिस को पूरे मामले की भनक लग गई। उन्होंने तुरंत असलाली पुलिस स्टेशन के PI, P. स. चौधरी और सर्विलांस स्टाफ से पूछताछ की और उन्हें सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जब सीनियर अफसर का गुस्सा बढ़ता गया, तो असलाली पुलिस ने बीच का रास्ता निकाला और घटना के 24 घंटे बाद आजाद रबाारी और सतीश रबाारी के खिलाफ वर्ली मटका का केस दर्ज कर लिया। कॉल सेंटर रेड में किसी बड़ी एडमिनिस्ट्रेटिव घटना की खबर बाहर न जाए और D4.S.P. को यह तसल्ली देने के

लिए कि कार्रवाई हो गई है, PI ने PSI

हलोल कोर्ट ने POCSO केस में आरोपी को बरी किया: फैसला लव अफेयर और आपसी सहमति से बने रिश्ते पर आधारित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

एक अहम फैसले में, पंचमहल जिले के हलोल एडिशनल सेशंस और स्पेशल POCSO कोर्ट ने 22 साल के आरोपी अल्पेशभाई रमनभाई चौहान को बरी करने का आदेश दिया है, जिस पर एक नाबालिग को किडनैप करने और रेप करने के गंभीर आरोप हैं। कोर्ट ने कहा कि यह मामला आपसी लव अफेयर और सहमति का है, और प्रॉसिक्यूशन इस बात का कोई पक्का सबूत पेश नहीं कर सका कि पीड़िता नाबालिग थी। प्रॉसिक्यूशन के मुताबिक, 23 दिसंबर, 2024 को पीड़ित लड़की अपने मामा के घर पर रुकी थी। वह रात में पेट दर्द की शिकायत करके सोने चली गई और बाद में घर के पिछले दरवाजे से गायब हो गई। इस बारे में उसके मामा ने 4 जनवरी 2025 को पावागढ़ पुलिस स्टेशन में अल्पेश चौहान (वेदपुर, वाघोडिया, वडोदरा के रहने वाले) के खिलाफ इंडियन पीनल कोड और प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस एक्ट की अलग-अलग धाराओं के तहत शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी की तरफ से एडवोकेट एन आर किचुंबरे और एडवोकेट पी एम शेख मौजूद थे। एडवोकेट के डी मालेक ने क्रॉस-एग्जामिनेशन किया। सुनवाई के दौरान पीड़ित लड़की (स्टार गवाह) की गवाही ने मामले की तस्वीर पूरी तरह बदल दी, लड़की ने कोर्ट के सामने माना कि वह अपनी मर्जी से पिछले दरवाजे से घर से निकली थी। उसका आरोपी के साथ लंबे समय से लव अफेयर था और वे चोटिला, ब्रारका



जाए। सवाल यह है कि अगर इस केमिकल जहर को पीने से अंकलेश्वर में भयानक दंगा होता है और गरीबों का खून खौलता है, तो इसका जिम्मेदार कौन है? क्या अंकलेश्वर पुलिस सिर्फ लाशों के ढेर देखकर जागेगी?

कथित एडमिनिस्ट्रेटर 'दत्तू' का आतंक: हर दिन लाखों रुपये की रंगदारी का खेल

इस इलाके में लगभग 30 से 40 गैर-कानूनी अड्डों के बेरोकटोक चलने के पीछे रंगदारी का एक बड़ा नेक्सस काम कर रहा है। चर्चा है कि इस पूरे काले साम्राज्य को सुरक्षित रखने और खाकी वालों को शांत रखने के लिए 'दत्तू' नाम का एक कथित एडमिनिस्ट्रेटर मैदान में है। यह

‘दत्तू’ गाड़ियों में भरकर ऊपर तक पहुंचाकर हर दिन किरतों में लाखों रुपये वसूलता है। इन्हीं किरतों के दम पर शराब तस्कर कानून का ऐसे मजाक उड़ा रहे हैं जैसे पुलिस को अपनी जेब में रखे हों।

SP, LCB और SMC चुप क्यों हैं? लोगों का गुस्सा भड़क रहा है

स्थानीय निवासी नरक जैसी जिंदगी जीने को मजबूर हैं। निवासियों ने अंकलेश्वर A डिवीजन, लोकल क्राइम ब्रांच और गांधीनगर के स्टेट मॉनिटरिंग सेल को लिखकर और बोलकर सबूत दिए हैं, फिर भी नतीजा ‘जिरो’ रहा है। LCB PI



को बार-बार बताने पर भी फाइल बंद हो गई है।

भरूच जिले के बड़े पुलिस अधिकारी और SP इस पूरे खेल में मूकदर्शक क्यों बने बैठे हैं? क्या गांधीनगर में बैठे बड़े अधिकारी इन केमिकल ठिकानों पर ‘सरप्राइज रेड’ करके जबरदस्ती वसूली के इस काले जाल का पर्दाफाश करेंगे, या ‘दत्तू’ का यह काला धंधा ऐसे ही चलता रहेगा? जनता अब सड़मे में है।

भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुनील सिंह यादव के निवास पर पाक्षिक पत्रिका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। आज भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुनील सिंह यादव के निवास पर पाक्षिक पत्रिका ‘मुम्बई राजस्थान’ के प्रधान संपादक एवं प्रसिद्ध समाजसेवी, फिल्म कलाकार श्री ललित शक्ति राठौर का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों द्वारा पुष्पमाला पहनाकर एवं संगठन का स्मृतिचिह्न भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से राष्ट्रीय सचिव श्री शिवम तिवारी, राष्ट्रीय मंत्री श्री मनीष गुप्ता, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री जीवनलाल जैन (चाय वाले), उज्जैन जिला कार्यकारिणी सदस्य श्री सुनील सिंह एवं नागदा जर्नलिस्ट क्लब के उपाध्यक्ष श्री दिनेश सोलंकी उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने श्री ललित शक्ति राठौर का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उनके सामाजिक एवं सांस्कृतिक योगदान की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान संगठन एवं मीडिया की भूमिका, मानव अधिकार जागरूकता, जीवदया, सामाजिक समरसता तथा समाज में बढ़ती हिंसात्मक घटनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। श्री ललित शक्ति राठौर ने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को जागरूक करने और मानवता की रक्षा के लिए सकारात्मक संदेश देना भी मीडिया का महत्वपूर्ण दायित्व है। ज्ञात हो कि श्री ललित शक्ति राठौर कई सामाजिक विषयों पर आधारित शॉर्ट फिल्मों का निर्माण एवं अभिनय कर चुके हैं। उन्होंने जीवदया, जैन संतों पर हो रहे हमलों, सड़क दुर्घटनाओं, खूनी पतंग जैसी घटनाओं एवं अहिंसा पर आधारित अनेक फिल्मों में प्रभावशाली भूमिका निभाई है। उनकी चर्चित प्रस्तुतियों में ‘पुण्य का उदय’ एवं ‘अहिंसा पे हिंसा’ जैसी सामाजिक संदेश देने वाली फिल्में विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। उनके कार्य समाज को जागरूक करने एवं मानवीय मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में प्रेरणादायक माने जाते हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुनील सिंह यादव ने अपने संदेश में कहा कि ‘आज समाज को ऐसे जागरूक पत्रकारों एवं कलाकारों की आवश्यकता है जो अपनी लेखनी और कला के माध्यम से मानवता, अहिंसा एवं सामाजिक चेतना का संदेश जन-जन तक पहुंचाएं। श्री ललित शक्ति राठौर द्वारा किए जा रहे कार्य निश्चित रूप से समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। सामाजिक संगठनों का समन्वय अत्यंत आवश्यक है। श्री ललित शक्ति राठौर द्वारा सामाजिक विषयों पर किए जा रहे कार्य युवाओं के लिए प्रेरणादायक हैं। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट ऐसे रचनात्मक एवं जनजागरूकता से जुड़े प्रयासों का सदैव समर्थन करता रहेगा।’

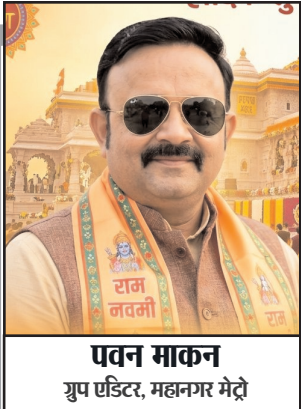
कलोल तालुका पंचायत के पदाधिकारियों का फैसला, BJP ने प्रेसिडेंट, वाइस प्रेसिडेंट समेत पदों के लिए मैनडेट घोषित किया..



महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाटीं ने कलोल तालुका पंचायत में भारतीय जनता पार्टी के प्रेसिडेंट, वाइस प्रेसिडेंट, एजीक्यूटिव चेयरमैन, पार्टी लीडर और दंडक के चुनाव के लिए ऑफिशियल मैनडेट घोषित कर दिया है। पार्टी की रीजनल लीडरशिप ने इस बारे में डिस्ट्रिक्ट BJP प्रेसिडेंट मयंक कुमार देसाई (लालाभाई) को अथॉरिटी लेटर भेजा है। उस समय, पार्टी के ऑर्डर के अनुसार, कलोल तालुका पंचायत में BJP टिकट पर चुने गए मेंबर्स में से इन नामों को अर्पाइंट करने का मैनडेट दिया गया है, जिसमें प्रेसिडेंट के तौर पर जयपाल सिंह दिलीप सिंह राठौड़, वाइस प्रेसिडेंट के तौर पर संजयभाई बाकाभाई राठौड़, और एजीक्यूटिव चेयरमैन के तौर पर यजुवंदसिंह लक्ष्मणसिंह जादव, पार्टी लीडर के तौर पर चेतनाबेन शिशुनाथसिंह ठाकोर, और दंडक के तौर पर अमरतबेन अजयसिंह चौहान शामिल हैं।

इबोला का नया वैश्विक खतरा- कोरोना के बाद दुनियाँ फिर एक भयावह स्वास्थ्य संकट की दहलीज पर?



फिलहाल भारत में स्थिति नियंत्रण में है और किसी भी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन दुनिया के परस्पर जुड़े होने के इस दौर में कोई भी देश पूरी तरह अलग-थलग नहीं रह सकता। यही कारण है कि भारत सहित सभी देशों को सतर्कता,निगरानी और स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत बनाए रखना होगा। इबोला का वर्तमान संकट एक बार फिर यह याद दिला रहा है कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा केवल किसी एक देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी है।

डब्ल्यूएचओ ने पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित किया -भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन 28 से 31 मई,2026 स्थगित-समग्र व्यापक विश्लेषण... इबोला- दुनियाँ में भय का पर्याय-संक्रमण की बढ़ती रफ्तार, बड़े शहरों तक पहुंचना, अंतरराष्ट्रीय स्तरपर गंभीर चिंता का विषय व संभावित वैश्विक चुनौती... दुनियाँ में इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा, वर्तमान स्ट्रेन के लिए कोई स्वीकृत वैक्सीन व सुनिश्चित उपचार उपलब्ध नहीं, संक्रमण को नियंत्रित करना वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती... वैश्विक स्तरपर कोरोना महामारी के भयावह दौर को दुनियाँ अभी पूरी तरह भूल भी नहीं पाई थी कि एक बार फिर मानव सभ्यता के सामने एक नए वैश्विक स्वास्थ्य संकट की आशंका गहराने लगी है। इस बार खतरे का नाम है,इबोला वायरस।अफ्रीका के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) और युगांडा में तेजी से फैल रहे इबोला संक्रमण ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों, वैज्ञानिकों और सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वर्ल्ड हेल्थ ऑगेनाइजेशन ने 17 मई 2026 को इसे पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित कर दिया। भारत ने भी अफ्रीका के कुछ हिस्सों में इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप और गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए भारत सरकार और अफ्रीकी संघ ने चौथे भारत- अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया है।यह सम्मेलन 28 से 31 मई, 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाला था।यह वही श्रेणी है जिसे वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली में सबसे उच्च चेतावनी स्तरों में माना जाता है। मैं एडवोकेट किशन समुखदास भावनानी गौदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँ कि दुनियाँ की चिंता केवल संक्रमण के फैलाव को लेकर नहीं है,बल्कि इस बार सामने आए इबोला के दुर्लभ बुंड़ीबुग्यो स्ट्रेन को लेकर है, जिसके लिए अभी तक कोई स्वीकृत वैक्सीन या प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं है। यही कारण है कि वैज्ञानिक समुदाय इसे केवल एक क्षेत्रीय बीमारी नहीं, बल्कि संभावित वैश्विक चुनौती के रूप में देख रहा है।डब्ल्यूएचओ प्रेसिडेंट ने चेतावनी देते हुए कहा कि कांगो और युगांडा में संक्रमण की बढ़ती रफ्तार तथा इसका बड़े शहरों तक पहुंचना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंता का विषय है। विशेष रूप से युगांडा की राजधानी कम्पाला जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में संदिग्ध मामलों की उपस्थिति ने इस संकट को और संवेदनशील बना दिया है। हालाँकि डब्ल्यूएचओ ने स्पष्ट किया है कि यह स्थिति अभी महामारी अर्थात पेंडेमिक की श्रेणी में नहीं पहुंची है, लेकिन संक्रमण की प्रकृति और इसकी उच्च मृत्यु दर को देखते हुए वैश्विक स्तर पर अलर्ट जारी किया गया है। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया ने यह अनुभव किया था कि यदि किसी संक्रमण को शुरूआती चरण में नियंत्रित नहीं किया जाए तो वह कुछ ही महीनों में संपूर्ण विश्व को अपनी चोपेट में ले सकता है। यही कारण है कि इस बार अंतरराष्ट्रीय समुदाय अधिक सटीकता से सतर्क दिखाई दे रहा है। साथियों बात अगर हम इबोला वायरस को समझने की करें तो कोई नया वायरस नहीं है,लेकिन इसका नाम आज भी दुनिया में भय का पर्याय माना जाता हैवैज्ञानिक रूप से इसे इबोला ऑर्थोएबोलावायरस कहा जाता है। इसकी पहचान पहली बार वर्ष 1976 में अफ्रीका के जैरे, जिसे आज



डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो कहा जाता है, और सूडान में हुई थी। उस समय यह बीमारी अत्यधिक घातक साबित हुई थी और बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई थी। बाद के वर्षों में भी अफ्रीका के कई देशों में इसके छोटे-बड़े प्रकोप सामने आए, लेकिन वर्ष 2014-16 में पश्चिमी अफ्रीका में फैले इबोला संकट ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया था। उस महामारी में हजारों लोगों की मौत हुई और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य ढांचे की कमजोरियाँ उजागर हो गई थीं। वर्तमान में फैला बुंड़ीबुग्यो स्ट्रेन उसी वायरस का एक दुर्लभ रूप है, जो पहले की तुलना में कम ज्ञात है और जिसके उपचार संबंधी संसाधन गंभीरता से बेहद सीमित हैं। साथियों विशेषज्ञों के अनुसार इबोला वायरस मुख्य रूप से संक्रमित जंगली जानवरों से इंसानों में पहुंचता है। विशेष रूप से फ्रूट बैट यानी चमगादड़ों को इसका प्राकृतिक वाहक माना जाता है। इसके बाद यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक तरल पदार्थों जैसे खून, उल्टी, लार, पसीना, वीर्य या मल, के संपर्क में आने से दूसरे लोगों तक फैलता है। यह वायरस हवा के माध्यम से नहीं फैलता, लेकिन संक्रमित व्यक्ति की देखभाल करने वाले परिवार के सदस्य, स्वास्थ्यकर्मी और अंतिम संस्कार से जुड़े लोग सबसे अधिक जोखिम में रहते हैं। यही कारण है कि अफ्रीका के कई ग्रामीण इलाकों में पारंपरिक अंतिम संस्कार प्रथाएं संक्रमण फैलने का प्रमुख कारण बन जाती हैं। दूषित सुई, संक्रमित मेडिकल उपकरण और संक्रमित जंगली जानवरों के मांस के सेवन से भी संक्रमण का खतरा बहुत तेजी के साथ बढ़ जाता है। साथियों इबोला के लक्षण अत्यंत गंभीर और भयावह हो सकते हैं। वायरस के संपर्क में आने के 2 से 21 दिनों के भीतर अचानक तेज बुखार, गंभीर सिरदर्द, अत्यधिक कमजोरी और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। इसके बाद स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। मरीज को उल्टी, दस्त, पेट दर्द, त्वचा पर चकते और लीवर-किडनी संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। गंभीर मामलों में शरीर के अंदरूनी अंगों में रक्तस्राव शुरू हो जाता है तथा मुंह, नाक और मसूड़ों से खून आने लगता है। यही कारण है कि इसे दुनिया के सबसे घातक वायरसों में गिना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विभिन्न स्ट्रेटों में इसकी मृत्यु दर 30 प्रतिशत से लेकर 90 प्रतिशत तक देखी गई है। वर्तमान बुंड़ीबुग्यो स्ट्रेन में भी मृत्यु दर 30 से 50 प्रतिशत के बीच आंकी जा रही है, जो इसे अत्यंत खतरनाक बनाती है।वर्तमान

प्रकोप की सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस बार संक्रमण उन क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहा जहां स्वास्थ्य ढांचा मजबूत निगरानी रख सकता था। कांगो और युगांडा में सैकड़ों संदिग्ध मामले सामने आए हैं और 130 से अधिक मौतों की पुष्टि हो चुकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक आंकड़े इससे कहीं अधिक हो सकते हैं, क्योंकि अफ्रीका के कई दूरदराज इलाकों में मेडिकल रिपोर्टिंग और परीक्षण व्यवस्था अभी भी सीमित है। बड़े शहरों और अंतरराष्ट्रीय यात्रा नेटवर्क से जुड़े क्षेत्रों तक संक्रमण पहुंचना पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन गया है। यदि यह वायरस सीमा पार व्यापक रूप से फैलता है तो अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य व्यवस्था पर भारी दबाव पड़ सकता है। साथियों विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस संकट को लेकर वैश्विक सहयोग और त्वरित निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडहानोम गेब्रेयेसस ने कहा कि दुनिया को इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा, क्योंकि वर्तमान स्ट्रेन के लिए न तो कोई स्वीकृत वैक्सीन उपलब्ध है और न ही कोई सुनिश्चित उपचार। हालांकि कुछ प्रायोगिक दवाओं और वैक्सीन पर शोध चल रहा है, लेकिन अभी वे व्यापक उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं हैं। यह स्थिति कोरोना महामारी के शुरूआती दौर की याद दिलाती है, जब पूरी दुनिया इलाज और वैक्सीन की खोज में जुटी हुई थी। वैज्ञानिक समुदाय का मानना है कि यदि संक्रमण को अभी नियंत्रित नहीं किया गया तो यह वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ी सटीक चुनौती बन सकता है। साथियों, भारत भी इस वैश्विक खतरे को लेकर पूरी तरह सतर्क हो गया है। 21 मई 2026 को भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय और नागरिक उड्डयन अधिकारियों ने एक विस्तृत एडवाइजरी जारी की। इसके तहत कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान जैसे प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की एयरपोर्ट पर विशेष स्क्रीनिंग शुरू कर दी गई है। दिल्ली सहित देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर मेडिकल टीमों को अलर्ट पर रखा गया है। यात्रियों की यात्रा इतिहास की जांच की जा रही है तथा बुखार, उल्टी, मांसपेशियों में दर्द या ब्लॉडिंग जैसे लक्षण पाए जाने पर तुरंत स्वास्थ्य डेस्क को सूचित करना अनिवार्य किया गया है। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि प्रभावित देशों से आने वाले लोग यदि 21 दिनों के भीतर किसी भी प्रकार के लक्षण महसूस करें तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें और डॉक्टरों को अपनी यात्रा का पूरा

विवरण दें। साथियों, भारत सरकार की ओर से केंद्रीय स्वास्थ्यसचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए। अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड, लैब टेस्टिंग सुविधाओं और आपातकालीन चिकित्सा प्रबंधन की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 22 मई 2026 की रात तक भारत में इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। इसके बावजूद सरकार किसी भी प्रकार की लापरवाही के पक्ष में नहीं है। कोरोना महामारी के अनुभव ने भारत सहित दुनिया को यह सिखाया है कि वैश्विक संक्रमणों के मामले में शुरूआती सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव होती है।वैश्विक स्तर पर इबोला का यह नया संकट केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव भी पैदा कर सकता है। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया ने देखा था कि किस प्रकार एक वायरस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को ठप कर दिया,करोड़ों लोगों की नौकरियां चली गईं और स्वास्थ्यप्रणालियां चरमपर गईं। यदि इबोला का वर्तमान प्रकोप अनियंत्रित होता है तो अफ्रीका के कई देशों में मानवीय संकट गहरा सकता है। वहां पहले से मौजूद गरीबी, कमजोर स्वास्थ्य सेवाएं, राजनीतिक अस्थिरता और सीमित संसाधन इस चुनौती को और गंभीर बना सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह समय प्रतियर्था का नहीं, बल्कि सहयोग का है। साथियों, विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन जंगलों की कटाई और मानव गतिविधियों का विस्तार ऐसे वायरसों के उभरने की संभावना बढ़ा रहा है। जब इंसान जंगली क्षेत्रों में अधिक हस्तक्षेप करता है तो वन्यजीवों से इंसानों में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। कोरोना, निपाह, सार्स और अब इबोला जैसे वायरस इसी व्यापक पारिस्थितिक असंतुलन की ओर संकेत करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि भविष्य की महामारियों को रोकने के लिए केवल चिकित्सा समाधान पर्याप्त नहीं होंगे, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव संतुलन पर भी गंभीरता से काम करना होगा।अभी पूरी दुनिया के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह कोरोना महामारी से मिले सबक को कितनी गंभीरता से लागू करती है। इबोला का यह प्रकोप अभी सीमित क्षेत्रों में है, लेकिन इसकी घातक प्रकृति इसे अत्यंत संवेदनशील बना देती है। वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों, सरकारों और वैज्ञानिक समुदाय के बीच समन्वय,त्वरितनिगरानी सीमाओं पर सतर्कता और जनता में जागरूकता ही इस संकट को नियंत्रित करने का सबसे प्रभावी तरीका हो सकता है। अफवाहों और भय के बजाय वैज्ञानिक तथ्यों और सावधानियों पर आधारित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि फिलहाल भारत में स्थिति नियंत्रण में है और किसी भी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन दुनिया के परस्पर जुड़े होने के इस दौर में कोई भी देश पूरी तरह अलग-थलग नहीं रह सकता। यही कारण है कि भारत सहित सभी देशों को सतर्कता,निगरानी और स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत बनाए रखना होगा। इबोला का वर्तमान संकट एक बार फिर यह याद दिला रहा है कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा केवल किसी एक देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी है।

संपादकीय

क्या भारत प्रमुख अर्थव्यवस्था है?

प्रख्यात अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में कार्यकारी निदेशक के पद पर काम कर चुके हैं, लिहाजा उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था के जिन संकेतकों की व्याख्या की है, वे महज सरकार की आलोचना नहीं हैं, बल्कि बेहद गंभीर सवाल भी हैं। उन्होंने इस विरोधाभास को उठाया है कि भाजपा अपनी राजनीति के 'चरमोत्कर्ष' पर है। यकीनन बंगाल की चुनावी जीत ऐतिहासिक है, लेकिन अर्थव्यवस्था के मामले में वह हार रही है। देश की अर्थव्यवस्था कमजोर और निम्न है। इसकी गारंटी नहीं जा सकती कि यह 'निम्नतम' श्रेणी में नहीं जाएगी। अर्थशास्त्री भल्ला के अनुसार, जीडीपी वृद्धि के लिहाज से भारत 9वें स्थान पर है। प्रति व्यक्ति जीडीपी विकास में 8वें स्थान पर है और डॉलर में प्रति व्यक्ति विकास के संदर्भ में 16वें स्थान पर है। बांग्लादेश 8.3 फीसदी सालाना प्रति व्यक्ति विकास में प्रथम स्थान पर है। इथियोपिया जैसा गुद्वरत और धूप से जले हुए चेहरों का देश 7.2 फीसदी जीडीपी वृद्धि के साथ दूसरे स्थान पर है। अमरीकी डॉलर में भारत का प्रति व्यक्ति विकास 4.7 फीसदी है और देश 16वें स्थान पर है। डॉ. भल्ला के इस डाटा के आधार पर सवाल सगट है कि भारत एक 'प्रमुख अर्थव्यवस्था' है अथवा आज भी 'नाजुक अर्थव्यवस्था' वाली श्रेणी में है? प्रख्यात अर्थशास्त्री की बुनियादी चिंता निजी-विदेशी निवेश (औसतन 32 फीसदी) और बीते सात सालों से 'रुपए' के लगातार अवमूल्यन को लेकर है। निर्यात भी बहुत कम हो गया है। दूसरा विश्लेषण प्रो. संतोष मेहरोत्रा का है। वह भी अंतरराष्ट्रीय ख्याति के 'विकासवादी अर्थशास्त्री' हैं। 2009-14 के दौरान वह योजना आयोग में 'अनुप्रयुक्त मानव संसाधन अनुसंधान संस्थान' के महानिदेशक (भारत सरकार में सचिव पद के समकक्ष) रहे। आज भी ब्रिटेन, ऑस्को समेत कुछ विश्वविद्यालयों में अर्थशास्त्र के विजिटिंग प्रोफेसर हैं। प्रो. मेहरोत्रा ने शोधात्मक विश्लेषण किया है कि भारत में करीब 12-10 करोड़ युवा न तो पढ़ रहे हैं और न ही काम कर रहे हैं। उनमें से करीब 8 करोड़ युवा अपना रोजगार 'कृषि' बताते हैं, जो उनका पुरतैनी काम होगा। इतना व्यापक, युवा श्रम बेकार जा रहा है, क्योंकि वे बेरोजगार हैं। यह देश के लिए शर्मनाक और विडंबनापूर्ण स्थिति है। प्रो. मेहरोत्रा के मुताबिक, 2012-25 के दौरान बेरोजगारी दर 'तिरुनी' बढ़ चुकी है। सरकार कुछ भी दावे करती रहे। खुदरा महंगाई दर भी 5 फीसदी को पार कर चुकी है और अभी महंगाई तेजी से बढ़ेगी। यह देश की व्यवस्था की विडंबना है कि मौजूदा दौर में कामगार या दिहाड़ीदार अथवा स्वरोजगार में लगे लोगों की आमदनी नहीं बढ़ सकी है, तो ये तबके महंगाई का सामना कैसे कर पाएंगे? दरअसल अर्थव्यवस्था संबंधी विरोधाभास यह भी है कि प्रधानमंत्री मोदी अभी पांच घंटे के प्रवास से लौटे हैं। इस दौरान भारत के साथ 57 करार किए गए हैं। प्रधानमंत्री 50 से अधिक वैश्विक सौदोंओ से भी मिले। आज यूरोपीय संघ के केंद्र में भारतीय बाजार और अर्थव्यवस्था है। इसका सबसे बड़िया उदाहरण है कि जनवरी, 2026 में भारत और यूरोपीय संघ में 'कल व्यापार समझौता' किया गया। हस्ताक्षर भी किए गए। शीत युद्ध के मुक्तखंड में ऐसा रुख नहीं था। पश्चिम के साथ भारत के अंतरंग, रणनीतिक, मधुर संबंध नहीं थे, क्योंकि हम तत्कालीन सोवियत संघ की रक्षा और आर्थिक नीतियों के अनुसार ही निर्णय लेते थे। आज भारत का निर्यात बाजार और यूरोप के साथ पूंजी, निष्कसित प्रौद्योगिकी, शीन ऊर्जा, एआई, सेमीकंडक्टर चिप्स, रक्षा, बुनियादी ढांचे, सांस्कृतिक, खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान, निवेश आदि क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारियों ने भारत को 'धुरी' बना दिया है। यदि यूरोपीय देशों ने भारत के साथ इतने करार किए हैं, तो भारत आर्थिक रूप से सक्षम होगा और एक विशालतम बाजार होगा! आज फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड जैसे देश और नॉर्डिक देश भी भारत के साथ अंतरंग और गहरे रणनीतिक संबंध बना रहे हैं, तो यह भारत की चौरसफा ताकत है।



देश तप रहा है उत्तर प्रदेश के बांदा और महाराष्ट्र के वर्धा दोनों ही शहरों में भीषण गर्मी का रिकार्ड बनाया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बांदा में अधिकतम तापमान 48.2तल तक दर्ज किया गया, जो देश में सबसे अधिक है, जबकि वर्धा में भी पारा 47.1तल के उच्च स्तर पर पहुंच गया है।बांदा और वर्धा में गर्मी की स्थिति:बांदा (उत्तर प्रदेश) हाल ही में बांदा में तापमान 48तल के पार पहुंच गया, जिससे यह क्षेत्र भारत और एशिया के सबसे गर्म स्थानों में शामिल हो गया है।वर्धा (महाराष्ट्र) विदर्भ क्षेत्र में स्थित वर्धा शहर भी इस भीषण लू की चोपेट में है, जहां तापमान 47.1तल तक पहुंच गया है।इससे पहले राजनाईगांव का तापमान रिकार्ड बना चुका है।लगता है देर-सवेरे देश के सभी शहर कस्बे ऐसा ही रिकार्ड बनाएंगे।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, रेगिस्तानी और पश्चिमोत्तर इलाकों से आ रही गर्म हवाओं (लू) और आसमान साफ होने के कारण धूप की प्रचंडता से इन क्षेत्रों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश इस समय ऐसी भीषण गर्मी से गुजर रहा है, जिसने सामान्य जनजीवन को हिला दिया है। जब दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों की सूची में सभी शहर भारत के ही दर्ज हों, तो यह केवल चौंकाने वाली खबर नहीं, बल्कि गंभीर चिंता का विषय है। ओडिशा के बलांगीर में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान, महाराष्ट्र राष्ट्र के चंद्रपुर और उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 44 डिग्री सेल्सियस, तथा उत्तर भारत और मध्य भारत के कई शहरों में 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तापमान यह बताने के लिए काफी है कि गर्मी अय सामान्य मौसमी बदलाव से आगे बढ़कर जनजीवन के लिए खतरा बन चुकी है। अगर देखा जाए, यह केवल मौसम की सामान्य मार नहीं है, बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का संकेत है। जब किसी देश के कई शहर दुनिया के सबसे गर्म स्थानों की सूची में शामिल हो जाएं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि समस्या केवल तापमान की नहीं, बल्कि तैयारी, जागरूकता और व्यवस्था की भी है। भारत में गर्मी कोई नई बात नहीं है। हर साल अप्रैल, मई और जून में लू चलती है, खेत सूखते हैं, सड़कें तपती हैं और लोग छांव की तलाश करते हैं। लेकिन इस बार गर्मी का स्वरूप ज्यादा तीखा, व्यापक और खतरनाक दिखाई दे रहा है। उत्तर भारत, मध्य भारत, पश्चिम भारत और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में तापमान लगातार ऊंचा बना हुआ है। उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा और तेलंगाना जैसे राज्यों में भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। गर्मी और लू को



लंबे समय तक केवल मौसम की परेशानी समझा जाता रहा है, लेकिन आज यह सोच बदलने की जरूरत है। लू शरीर पर सीधा हमला करती रती है। है। चकर आना, कमजोरी, तेज प्यास, घबराहट, सिरदर्द, पेट दर्द, बेहोशी और शरीर का तापमान बढ़ना इसके शुरूआती संकेत हो सकते हैं। यदि समय पर ध्यान न दिया जाए तो यही स्थिति हीट स्ट्रोक में बदल सकती है, जो जानलेवा हो सकती है। सबसे अधिक खतरा बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, पहले से बीमार लोगों, मजदूरों, किसानों, रिक्शा चालकों, निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों और सड़क पर काम करने वाले कर्मचारियों को होता है। ये लोग अक्सर मजबूरी में तपती धूप में काम करते हैं। इनके पास न तो पर्याप्त छांव होती है, न ठंडा पानी और न आराम की सुविधा। ऐसे में केवल सलाह देना पर्याप्त नहीं है, इनके लिए स्थानीय स्तर पर ठोस व्यवस्था हो जरूरी है। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से से एडवाइ एडवाइजरी जारी की जा रही है। अस्पतालों में हीटस्ट्रोक कक्ष, ओआरएस, इलेक्ट्रोलाइट्स, आइस पैक, ठंडे तरल पदार्थ और प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की व्यवस्था की जा रही है। यह स्वागत योग्य कदम है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये तैयारियां केवल कागजों तक सीमित रहेगी या जमीन पर भी दिखाई देगी? हर जिला अस्पताल, उप-जिला अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के इलाज की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। एंजुलैस कर्मियों को भी हीट स्ट्रोक की स्थिति में तत्काल राहत राहत देने का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। स्थानीय प्रशासन को वाजोरी, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, श्रमिक क्षेत्रों, निर्माण स्थलों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था करनी चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर अस्थायी छांव, पानी के टैंकर और प्राथमिक उपचार केंद्र बनाए जा सकते हैं। स्कूलों, खेल आयोजनों और सामूहिक कार्यक्रमों के समय में बदलाव जरूरी है। इस भीषण गर्मी को केवल मौसमी घटना मानकर भूल जाना बड़ी भूल होगी। लगातार बढ़ता तापमान, शहरी इलाकों में कंक्रीट का फैलाव, पेड़ों की

कटाई, जल स्रोतों का सिकुड़ना और प्रदूषण ये सभी मिलकर गर्मी को और घातक बना रहे हैं। शहरों में गर्मी गांवों की तुलना में अधिक महसूस होती है, क्योंकि वहां कंक्रीट, डामर और बंद स्थान तापमान को और बढ़ा देते हैं। इसे शहरी ताप द्वीप प्रभाव कहा जाता है। यदि शहरों में हरियाली नहीं बढ़ाई गई, जल संरक्षण नहीं किया गया और अनियोजित निर्माण पर नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आने वाले वर्षों में गर्मी और भी भयावह रूप ले सकती है। हमें सड़क चौड़ी करने से पहले पेड़ों के महत्व को समझना होगा। विकास का अर्थ केवल इमारतें और प्लाईओवर नहीं है, बल्कि रहने योग्य शहर भी है। देश में 25 मई से नौतपा शुरू होने जा रहा है। परंपरागत रूप से नौतपा को साल के सबसे गर्म दिनों में माना जाता है। इस दौरान सूर्य की तपिश और लू का असर बढ़ जाता है। इस बार नौतपा से पहले ही कई राज्यों में गर्मी असहनीय हो चुकी है। ऐसे में आने वाले दिनों के लिए सावधानी और भी जरूरी हो जाती है। नौतपा को केवल धार्मिक या परंपरागत दृष्टि से देखने के बजाय स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन के नजरिए से भी समझना चाहिए। प्रशासन को इस अवधि में विशेष निगरानी रखनी चाहिए। अस्पतालों को तैयारी, पानी की व्यवस्था, बिजली आपूर्ति और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है। बढ़ती गर्मी के कारण बिजली उपकरणों पर दबाव बढ़ता है, जिससे अस्पतालों और सार्वजनिक भवनों में आग का खतरा भी बढ़ सकता है। यहां आपको बता दें कि हाल ही में लीड्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण शोध किया है, जो जलवायु परिवर्तन के बारे में हमारी समझ को और गहरा करता है। अर्थ प्यूचर नामक पत्रिका में प्रकाशित इस शोध में बताया गया है कि जैसे-जैसे पृथ्वी की पिघल रही है। यह पिघलाने केवल एक सामान्य प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इससे वातावरण में खतरनाक गैसों का उत्सर्जन तेजी से बढ़ सकता है। पर्मॉफ्रॉस्ट वह मिट्टी होती है जो कई वर्षों तक जमी रहती

है। यह मुख्य रूप से आर्कटिक क्षेत्रों में पाई जाती है। इस मिट्टी के अंदर बहुत बड़ी मात्रा में कार्बन और अन्य गैसें फंसी रहती हैं। जब यह मिट्टी जमी रहती है, तब ये गैसें बाहर नहीं निकल पाती। इसलिए पर्मॉफ्रॉस्ट को जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच माना जाता है। गर्मी से बचाव के उपाय कठिन नहीं हैं, लेकिन उन्हें गंभीरता से अपनाना जरूरी है। लोगों को बार-बार पानी पीना चाहिए, भले ही प्यास न लगी हो। हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनने चाहिए। सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकना चाहिए। खाली पेट धूप में बाहर नहीं निकलना चाहिए। शराब, बहुत अधिक चाय-कॉफी और अत्यधिक तले-मुने भोजन से बचना चाहिए। घर से बाहर निकलते समय पानी की बोतल जरूर रखनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को चकर आए, तेज कमजोरी महसूस हो, शरीर गर्म हो जाए या बेहोशी जैसी स्थिति दिखे तो उसे तुरंत छांव या ठंडी जगह ले ले जाना चाहिए। कपड़ों को डीला करना चाहिए, शरीर पर ठंडा पानी डालना चाहिए और तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। भीषण गर्मी अब केवल अशुविधा नहीं, जीवन और मृत्यु का प्रश्न बनती जा रही है। सरकार, प्रशासन, समाज और नागरिक सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। मौसम विभाग की चेतावनी को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। हर परिवार को अपने चयनों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। हर मोहल्ले, पंचायत और वार्ड स्तर पर जागरूकता अभियान चलना चाहिए। गर्मी की यह मार हमें एक बड़ा संदेश दे रही है। प्रकृति के साथ खिलवाड़, शहरों का अनियोजित विस्तार और पर्यावरण की उपेक्षा अब सिधे हमारे स्वास्थ्य पर असर डाल रही है। आज जरूरत है कि हम केवल गर्मी से बचने की तैयारी न करें, बल्कि भविष्य को ठंडा और सुरक्षित बनाने की दिशा में भी गंभीर कदम उठाएं, क्योंकि यदि आज हमने चेतावनी नहीं समझी, तो आने वाला समय और भी अधिक तपिश लेकर आएगा।इसलिए सिर्फ जागरूकता और बचाव ही जीवन रक्षक हैं।



महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में नशे में धुत रईसजादों ने मामूली सी बात पर एक सिख युवक की जमकर पिटाई कर दी। युवक की पगड़ी नोचकर फेंक दी और उसे लिफ्ट से पीटते हुए नीचे ल आए। यहां भी उसे जमकर पीटा और बाल पकड़कर घसीटा। युवक का गला दबाने की भी कोशिश की गई। उसकी नाक तोड़ दी। मारपीट की यह घटना सिविल लाइंस स्थित एक बार की है। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है। कोतवाली पुलिस ने चार लोगों पर एफआईआर दर्ज की है। आजाद नगर में रहने वाले रजेंद्र सिंह भाटिया ने बताया कि शुक्रवार को उनका बेटा वंश स्टूडियो एक्?सओ बार में गया था। वहां से लौटते वक्त लिफ्ट में पांडुनगर में रहने वाले धैर्य गुप्?ता के साथ उसकी किसी बात भले गया था लेकिन वह पीता नहीं है। पुलिस चाहे तो उसका मेडिकल चेकअप भी करवा सकती है।

लिफ्ट में हुई थी बहस
आरोप है कि इस दौरान वहां मौजूद सिक्?योरिटी गार्ड ने वंश को बचाने की कोशिश नहीं की और मुकदर्शक बनकर देखता रहा। कोतवाली थाना प्रभारी जगदीश पांडेय ने बताया कि धैर्य गुप्?ता और वंश के बीच लिफ्ट में बहस हो गई थी। वंश ने धैर्य से कहा था कि वह उसके भाई का दोस्?त है। छोटे हो तो छोटे की तरह रहो। इस पर धैर्य ने आपा खो दिया और उसने वंश को अपने साथियों के साथ पी दिया। फिलहाल वंश की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। गला दबाकर जान लेने की कोशिश वंश का आरोप है कि युवकों ने उसे 70 से 80 घूंसे मारे। गला दबाकर जान लेने का प्रयास किया। मारपीट करने वाले युवक सारे नशे में थे। वंश ने यह भी दावा किया कि वह बार भले गया था लेकिन वह पीता नहीं है। पुलिस चाहे तो उसका मेडिकल चेकअप भी करवा सकती है।



महानगर मेट्रो ब्यूरो

हमीरपुर। पंकज मिश्रा, हमीरपुर: उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले मे पीएम आवास न मिलने से नाराज एक शख्स ने गांव के सरपंच को बीच रास्ते में जमकर पीटा। सरपंच को दौड़ा-दौड़ा कर पीटते देख राहगीर भी सन्न रह गए। घटना की सूचना मिलते ही सरपंच के समर्थक और परिजन मौके पर पहुंचे। इसी बीच हमलावर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। यह अजीबोगरीब घटना हमीरपुर जिले के सिसौलर थाना क्षेत्र के ग्राम बक्छा में हुई। गांव के सरपंच जगतपाल सिंह मौदहा ब्लाक कार्यालय से वापस अपने गांव जा रहे थे, तभी रास्ते में गांव के एक दबंग ने उन्हें दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। बीच बचाव करने मौके पर पहुंचे रिश्तेदार के साथ भी मारपीट की गई। हमलावर से अपनी जान बचाकर सरपंच सीओ मौदहा के यहां पहुंचकर घटना की लिखित शिकायत दी।



महानगर मेट्रो ब्यूरो

26 मई को खत्म हो रहा है कार्यकाल
आरोपी जिला बदर भी रह चुका है, जिससे उसे जानमाल का खतरा है। पीड़ित सरपंच की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि सरपंच की तहरीर पर मुकदमा लिखा गया है। आरोपी की तलाश के लिए पुलिस दबिश दे रही है। बता दें कि ग्राम प्रधानों (सरपंच) का कार्यकाल 26 मई को समाप्त हो रहा है। ऐसे में पीएम आवास सहित तमाम योजनाओं से वंचित ग्रामीणों में मायूसी देखी जा रही है। इतना ही नहीं कुर्सी खिसकते देख गांवों में सरकारी फंड भी ठिकाने लगाने का खेल खेला जा रहा है।



महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर के सरकारी अस्पताल में जटिल डिलीवरी, गर्भ में पांच महीने पहले हो गई जुड़वा शिशु की मौत, दूसरे का हुआ सफल जन्म

मध्यप्रदेश के इंदौर के शासकीय प्रकाशचंद सेटी अस्ताल के डॉक्टरों ने एक जटिल ऑपरेशन किया है। गर्भ में एक जुड़वा शिशू की मौत हो गई थी। इसके बावजूद दूसरे को स्वस्थ निकाला है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। शासकीय प्रकाशचंद सेटी अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने एक बेहद जटिल प्रसव को सफलतापूर्वक पूरा करते हुए मां और नवजात दोनों की जान बचाई। यह मामला चिकित्सा क्षेत्र के लिए भी चुनौतीपूर्ण माना जा रहा था क्योंकि गर्भवती महिला के पेट में जुड़वा शिशु थे, जिनमें से एक की गर्भावस्था के दौरान ही मृत्यु हो चुकी थी। इसके बावजूद दूसरे शिशु को सुरक्षित जन्म दिलाने में डॉक्टरों को सफलता मिली। जानकारी के अनुसार 37 वर्षीय गर्भवती महिला प्रसव पीड़ा होने पर शासकीय प्रकाशचंद सेटी अस्पताल पहुंची थी। अस्पताल में भर्ती करने के बाद डॉक्टरों ने उसकी जांच की और पुराने मेडिकल रिकॉर्ड भी देखे। जांच के दौरान पता चला कि महिला की गर्भावस्था



नौ माह पूरी हो चुकी थी। रिकॉर्ड के अनुसार महिला के गर्भ में जुड़वा शिशु थे लेकिन गर्भावस्था के पांचवें महीने में ही एक शिशु की मृत्यु हो गई थी। ऐसी स्थिति में संक्रमण फैलने का खतरा काफी अधिक रहता है। मृत भ्रूण के लंबे समय तक गर्भ में रहने से मां और दूसरे शिशु दोनों के स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता था। इसलिए डॉक्टरों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल आवश्यक

दौर में बढ़ता जल संकट, एसीपी के आगे दंडवत हुए पार्षद, कई जगहों पर शहर में चक्का जाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। गर्मी बढ़ने के साथ ही पेयजल संकट भी गहराता जा रहा है। शहर के कई बाड़ों और कॉलोनियों में लोग पानी की कमी से परेशान हैं। हालात यह हैं कि कई क्षेत्रों में नियमित जलापूर्ति नहीं हो पा रही है जिसके कारण लोगों को टैंकों के भरोसे रहना पड़ रहा है। टैंकर पहुंचते ही पानी भरने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ती है। नगर निगम की ओर से टैंक्टर और टैंकों के माध्यम से पानी पहुंचाने की कोशिश की जा रही है लेकिन रहवासियों का कहना है कि यह व्यवस्था जरूरत के हिसाब से पर्याप्त नहीं है।

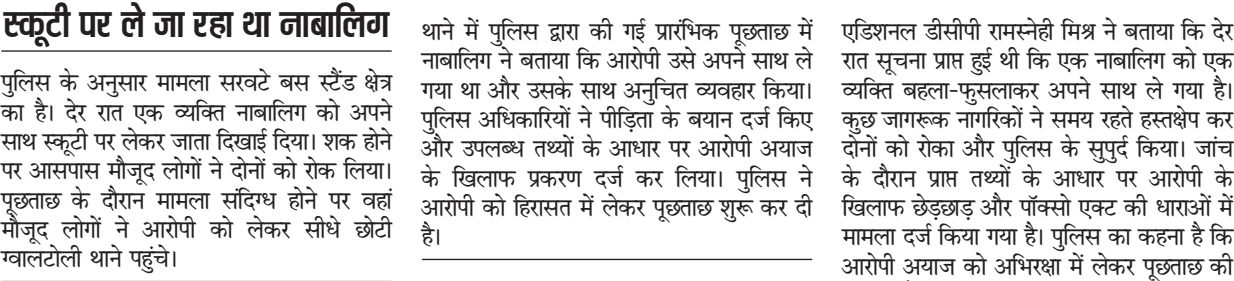
अलग-अलग हिस्सों में दिख रहा गुस्सा

रविवार को पानी की समस्या को लेकर शहर के अलग-अलग हिस्सों में लोगों का गुस्सा सड़क पर दिखाई दिया। कांग्रेस नेताओं और स्थानीय रहवासियों ने कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रशासन और नगर निगम के खिलाफ नाराजगी जताई। सबसे बड़ा प्रदर्शन पालदा चौराहे पर देखने को मिला जहां वार्ड-75 के पार्षद कुणाल सोलंकी के नेतृत्व में रहवासियों ने चक्काजाम कर दिया। सुबह करीब साढ़े नौ बजे शुरू हुआ यह विरोध प्रदर्शन अभी तक जारी है।



महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। शहर के छोटी ग्वालटोली थाना क्षेत्र में एक नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने और उसके साथ गलत हरकत करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अयाज के रूप में हुई है। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब स्थानीय लोगों ने सदिग्ध परिस्थितियों में आरोपी और नाबालिग को देखा तथा तत्काल हस्तक्षेप करते हुए आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।



महानगर मेट्रो ब्यूरो

स्कूटी पर ले जा रहा था नाबालिग
पुलिस के अनुसार मामला सरवटे बस स्टैंड क्षेत्र का है। देर रात एक व्यक्ति नाबालिग को अपने साथ स्कूटी पर लेकर जाता दिखाई दिया। शक होने पर आसपास मौजूद लोगों ने दोनों को रोक लिया। पूछताछ के दौरान मामला सदिग्ध होने पर वहां मौजूद लोगों ने आरोपी को लेकर सीधे छोटी ग्वालटोली थाने पहुंचे।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोतवाली। झांसी के शहर कोतवाली में बकरीद को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई. बैठक में प्रशासन ने सड़कों पर नमाज न पढ़ने को लेकर विशेष जोर दिया, वहीं हिंदू संगठनों ने कुर्बानी के बाद जानवरों का खून और वेस्ट मटेरियल को नालियों में न बहाने की मांग उठाई. सड़क पर नमाज के मुद्दे पर सीएम योगी के सख्त रुख के चलते, बकरीद को लेकर बुलाई गई पीस कमेटी की बैठक में साफ कहा गया कि किसी भी हाल में सड़क पर नमाज नहीं होगी. अगर ईदगाह में जगह पूरी तरह भर जाती है, तो बाहर नमाज पढ़ने के बजाय आसपास की दूसरी मस्जिद में जाकर नमाज पढ़ने को कहा गया है. प्रशासन ने यह भी कहा कि कुर्बानी के बाद जानवर के अवशेष खुले में या नालियों में न फेंके. खुले में अवशेष फेंकने का मुद्दा विश्व हिन्दू परिषद की तरफ से उठाया गया था. बता दें, झांसी के शहर कोतवाली में एडीएम प्रशासन की अध्यक्षता में बकरीद लौहार को



थाने में पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि आरोपी उसे अपने साथ ले गया था और उसके साथ अनुचित व्यवहार किया। पुलिस अधिकारियों ने पीड़िता के बयान दर्ज किए और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आरोपी अयाज के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस ने शुरू की जांच

‘ईदगाह फुल हो जाए, तब भी सड़कों पर नमाज नहीं...’, बकरीद को लेकर यूपी में प्रशासन का सख्त निर्देश



लेकर पीस कमेटी की बैठक हुई. जिसमें दोनों धर्मों के धर्मगुरुओं व विभिन्न संगठन के सदस्य मौजूद रहे. जिन्होंने कई समस्याओं के बारे में चर्चा की. वहीं प्रशासन ने जहां सड़क पर नमाज न पढ़ने पर फोकस किया तो वहीं हिन्दू संगठनों ने कुर्बानी के बाद जानवर का खून व वेस्ट मटेरियल नालियों में न बहाने की बात उठाई. मुस्लिम समाज के लोगों ने ईद के दिन बिजली और पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने और सफाई व्यवस्था पर जोर दिया. एसपी सिटी प्रीति सिंह ने कहा कि जो भी व्यवस्थाओं की बात कही गई है, उन्हें पूरा करने के निर्देश नगर निगम, बिजली व जल संस्थान के अधिकारियों को दे दिए गए हैं. साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि सड़क पर किसी भी दशा में नमाज न करें.

चिकित्सकीय तैयारी शुरू कर दी। डॉक्टरों ने शल्य क्रिया करने का निर्णय लिया। ऑपरेशन के दौरान पूरी सावधानी बरती गई और स्वस्थ शिशु को सुरक्षित बाहर निकाला गया। जन्म लेने वाले बच्चे का वजन करीब 3.75 किलोग्राम बताया गया है। डॉक्टरों के अनुसार नवजात पूरी तरह स्वस्थ है और उसे किसी प्रकार का संक्रमण नहीं मिला। वहीं प्रसूता की स्थिति भी सामान्य है और दोनों की लगातार निगरानी की जा रही है। काफी जटिल था केस डॉक्टरों के मुताबिक पांचवें महीने में ही एक बच्चे की हो गई थी मौत हिला और उसके एक बच्चे को बचाया काफी समय पहले हो गई थी मौत चिकित्सकों ने बताया कि मृत भ्रूण काफी समय पहले ही विकसित होना बंद हो गया था और उसका आकार अत्यंत छोटा हो गया था।



महानगर मेट्रो ब्यूरो

लंबे समय से पानी की व्यवस्था प्रभावित

इंदौर में प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लंबे समय से पानी की व्यवस्था प्रभावित है। उनका कहना था कि पहले स्थानीय स्तर पर लोगों को पानी उपलब्ध कराया जा रहा था लेकिन पिछले कुछ दिनों से वह व्यवस्था भी बंद हो गई है जिससे संकट और गहरा गया है। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने नगर निगम और महापौर के खिलाफ नारेबाजी भी की।

कांग्रेस का आंदोलन जारी

पानी की समस्या को लेकर कांग्रेस लगातार आंदोलन कर रही है। इससे पहले शहर के सभी 22 जोनल कार्यालयों पर प्रदर्शन किए जा चुके हैं। कई क्षेत्रों में रहवासी सड़क पर उतरकर धरना और चक्काजाम कर चुके हैं। शनिवार को भी बड़ी संख्या में लोग पानी की मांग को लेकर पैदल मार्च करते हुए विधायक रमेश मेंदोला के निवास तक पहुंचे थे.

अफसरों को दिया मॉनीटरिंग और जवाबदेही तय करने का आदेश



महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भीषण गर्मी और बढ़ती बिजली मांग के बीच निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन, किसानों, व्यापारियों और उद्योगों को बिजली संकट का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी स्तरों पर सतत मॉनिटरिंग की जाए। सीएम योगी आदि?यनाथ ने कहा कि गर्मी के इस चुनौतीपूर्ण दौर में ऊर्जा विभाग पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करे। मुख्यमंत्री रविवार को ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा एवं राज्य मंत्री कैलाश सिंह राजपूत की उपस्थिति में ऊर्जा विभाग, पावर कार्पोरेशन एवं सभी डिस्कॉम के अधिकारियों के साथ विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे।

‘उत्पादन इकाइयों की अधिकतम क्षमता का उपयोग हो’

मुख्यमंत्री ने राज्य की विद्युत उत्पादन क्षमता को और सुदृढ़ बनाने तथा गर्मी के मौसम में निर्बाध बिजली उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए उत्पादन इकाइयों की अधिकतम क्षमता का उपयोग किया जाए और सभी संयंत्रों में तकनीकी दक्षता तथा रखरखाव व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

‘उत्पादन क्षमता 13,388 मेगावाट हुई’

बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़कर 13,388 मेगावाट हो गई है। इसमें अनपरा, ओबरा, हरदुआगंज, परीछा, जवाहरपुर और पनकी जैसे तापीय विद्युत गृहों की 9,120 मेगावाट क्षमता शामिल है, जबकि जल विद्युत परियोजनाओं से 526.4 मेगावाट क्षमता उपलब्ध है।‘गैर पारंपरिक ऊर्जा विकल्?पों से 10 हजार मेगावाॉट बिजली उत्पादन’ इसके अतिरिक्त मेजा, घाटमपुर और खुर्जा परियोजनाओं से संयुक्त उपक्रमों के माध्यम से 3,742 मेगावाट क्षमता राज्य को प्राप्त हो रही है। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2026 तक उत्पादन निगम की स्थापित क्षमता में 86 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त, गैर पारंपरिक ऊर्जा विकल्पों से लगभग 10 हजार मेगावाॉट बिजली उत्पादन हो रहा है। ‘ट्रांसमिशन नेटवर्क को और मजबूत बनाया जाए’ मुख्यमंत्री ने प्रदेश की बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए ट्रांसमिशन नेटवर्क को और अधिक मजबूत, आधुनिक एवं भरोसेमंद बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली आपूर्ति व्यवस्था की मजबूती के लिए ट्रांसमिशन प्रणाली की दक्षता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

‘तकनीकी बाधा को न्यूनतम रखा जाए’

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम में किसी भी प्रकार की तकनीकी बाधा को न्यूनतम रखा जाए तथा ट्रांसमिशन नेटवर्क की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के पास वर्तमान में 60,858 सर्किट किलोमीटर लंबी ट्रांसमिशन लाइनें संचालित हैं। प्रदेश में 715 उपकेंद्रों के माध्यम से 2,05,632 एमवीए क्षमता उपलब्ध है। ट्रांसमिशन नेटवर्क की उपलब्धता 99.30 प्रतिशत दर्ज की गई है, जबकि पारेषण हानियां घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई हैं।

‘बिजली वितरण व्यवस्था को अधिक जवाबदेह बनाया जाए’

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बिजली वितरण व्यवस्था को और अधिक जवाबदेह तथा उपभोक्ता केंद्रित बनाया जाए। उन्होंने फीडर वाइज जवाबदेही तय करने के निर्देश देते हुए कहा कि ट्रांसफॉर्मर खराब होने, फीडर बाधित होने अथवा शिकायत निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

नमो घाट पर सुरक्षा गार्डों की गुंडागर्दी! पीट-पीटकर पर्यटक की हत्या कर दी, घूमने को लेकर हुई बहस

वाराणसी के नमो घाट पर घूम रहे दो भाइयों की सुरक्षा गार्डों से बहस हो गई। एक दर्जन की संख्या में गार्डों ने युवक को पिटाई शुरू कर दी।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी से बड़ी वारदात सामने आई है। यहां के प्रसिद्ध नमो घाट पर सुरक्षा गार्डों ने एक पर्यटक की पीट-पीट कर हत्या कर दी। घाट पर घूमने को लेकर सोनभद्र से आए दो भाइयों की गार्डों से बहस शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर करीब एक दर्जन की संख्या में आए गार्डों ने दोनों को पीटना शुरू कर दिया। पिटाई में गंभीर रूप से घायल एक युवक को अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस टीम ने चार गार्डों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सोनभद्र से आए दो भाई रविवार की सुबह नमो घाट पर घूमने पहुंचे थे। घाट के प्रवेश द्वार पर मौजूद गार्डों ने उन्?हें अंदर जाने से रोक दिया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। देखते



ही देखते बात बढ़ गई। आरोप है कि मौके पर तेनात सुरक्षा गार्डों ने पर्यटकों की बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी। मारपीट के दौरान राजेंद्र उर्फ चिंटू गंभीर रूप से घायल हो गया।

है कि सोनभद्र से पर्यटकों का एक समूह वाराणसी घूमने आया था। गार्डों ने मामूली बहस में युवक को दौड़ा दौड़ाकर पीटना शुरू कर दिया।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजेंद्र के साथ आए अन्य लोग उसको लेकर अस्पताल दौड़े। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत लाया घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल चार सुरक्षा गार्डों को गिरफ्तार कर लिया।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अस्पताल लेकर भागे साथ में आए लोग

राजेंद्र के साथ आए अन्य लोग उसको लेकर अस्पताल दौड़े। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत लाया घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल चार सुरक्षा गार्डों को गिरफ्तार कर लिया।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

4 दिन पहले डीसीपी काशी बोले थे- घाट 24 घंटे खुला

अभी 4 दिनों पहले ही अस्सी घाट का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें अस्सी घाट की सीढ़ियों पर पुलिसकर्मी कुर्सी लगा कर रात दस बजे से सुबह 4 बजे तक घाट के बंद होने का एलान कर रहे थे।

दिल्ली डबल मर्डर केस: आरोपी का पुलिस ने देर रात किया एनकाउंटर, पैर में लगी गोली



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। साउथ-ईस्ट पुलिस ने गोविंदपुरी में डबल मर्डर केस की गुरूथी को सुलझाते हुए मुठभेड़ के बाद एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी मृत महिला का चचेरा भाई है। आरोपी को तुगलकाबाद एक्सटेंशन इलाके में पुलिस मुठभेड़ के बाद पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग की। इस दौरान एक सब-इंस्पेक्टर यशपाल की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोली लगी, जिससे उनकी जान बच गई। डीसीपी डॉ. हेमंत तिवारी के अनुसार20 और 21 मई की दरम्यानी रात गोविंदपुरी इलाके में एक महिला शारदा और उसके 13 साल के बेटे खुशहाल की घर के भीतर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी गई।
पुलिस की एक टीम को फील्ड इंटेलिजेंस जुटाने की जिम्मेदारी

मामले की गंभीरता को देखते हुए साउथ ईस्ट जिले की स्पेशल स्टाफ,इह और,झ्रफ टीमों का लगाया गया। इंस्पेक्टर राजेन्द्र सिंह डायर, अजय दलाल, विष्णु दत्त की देखरेख में जांच शुरू की गई। पुलिस की एक टीम को सीसीटीवी फुटेज खंगालने और फील्ड इंटेलिजेंस जुटाने की जिम्मेदारी दी गई। दूसरी टीम कॉल डिटेल् रेकॉर्ड (सीडीआर), इलेक्ट्रॉनिक ट्रैकिंग और तकनीकी निगरानी पर काम कर रही थी। 20 मई की रात एक महिला शारदा और उसके 13 साल के बेटे खुशहाल की घर के भीतर कर दी गई थी हत्या गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने पुलिस पर की फायरिंग, रूढ़ की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोली लगी संदिग्धों-गवाहों से पूछताछ कर रही पुलिस टीम वहीं एक अन्य टीम संदिग्धों, स्थानीय लोगों और गवाहों से लगातार पूछताछ कर रही थी। डीसीपी के अनुसार स्थानीय स्टाफ को जांच के दौरान पहला अहम सुरंग मिला, जिसे आगे तकनीकी जांच और अन्य सूचनाओं के जरिए विकसित किया गया।

कई दिनों तक फ्लैट में पड़ी रही महिला की लाश! बदबू आने पर पड़ोसियों ने दी सूचना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। के उत्तरी जिले के मजनुू का टीला इलाके में एक फ्लैट से 54 वर्षीय महिला का शव बरामद किया गया है. घर से तेज बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही सिविल लाइंस थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फ्लैट के अंदर महिला का शव पड़ा मिला. पुलिस अधिकारियों और जांच टीम ने मौके का निरीक्षण किया. जांच के दौरान फ्लैट से एक आधार कार्ड बरामद हुआ, जिसके आधार पर मृतका की पहचान अराचिमान्नी संधाल के रूप में हुई. आधार कार्ड के अनुसार महिला का पूरा नाम अराचिमान्नी संधाल पुत्री बालकृष्णन अराचिमान्नी था. महिला की उम्र 54 वर्ष बताई गई है और वह मजनुू का टीला (सिविल लाइंस) इलाके में अकेली रहती थी. मामले की जांच के लिए जिला क्राइम टीम और एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया. दोनों टीमों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए.

अकेले रहती थी महिला, नहीं मिला किसी साजिश का संकेत

स्थानीय लोगों से पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली कि मृतका अविवाहित थी और लंबे समय से उक्त पते पर अकेले रह रही थी. पड़ोसियों के मुताबिक महिला का इलाके के लोगों से ज्यादा मेलजोल नहीं था और वह सामान्य तौर पर किसी से बातचीत भी नहीं करती थी. पुलिस की प्रारंभिक जांच में फिलहाल किसी तरह की साजिश या अपराधिक गतिविधि के संकेत नहीं मिले हैं. हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है. मृतका के शव को परिजनों की पहचान और दावा किए जाने के लिए 72 घंटे तक सब्जी मंडी मोर्चरी में सुरक्षित रखा गया है. पुलिस ने इस मामले में बीएनएसएस की धारा 194 के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है.

पति की लात से पत्नी की मौत? बहन से दर्ज कराया जीजा के खिलाफ केस



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। देश की आर्थिक नगर मुंबई में एक चौंका देने वाली घटना सामने आई है। घरेलू विवाद में एक पति ने पत्नी को इतनी जोर से लात मारी कि उसकी इलाज के बाद मौत हो गई।मुंबई के अंधेरी (पश्चिम) के सात बंगला इलाके में यह घटना सामने आई है। महिला की मौत के मामले में उसके पति के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मृतका की बहन की शिकायत पर वर्सोवा पुलिस ने आरोपी (शिकायतकर्ता का जीजा) के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि घरेलू विवाद के दौरान आरोपी ने पत्नी के पेट में लात मारी थी, जिसके बाद उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती गई। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।
क्या है पूरा मामला?
पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, 42 वर्षीय रुकसाना शेख पति शाहनुद्दीन शेख के साथ अंधेरी के सात बंगला के सागर कुटीर संघ में रहती थी। दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। आरोप है कि झगड़े के दौरान शाहनुद्दीन ने रुकसाना के पेट में लात मारी, जिससे उसे तेज दर्द शुरू हो गया। इसके बाद, रुकसाना ने अपनी बहन जारा को फोन कर घटना की जानकारी दी। परिजन रुकसाना को पहले कूपर अस्पताल ले गए, जहां सीटी स्कैन रिपोर्ट देखने के बाद डॉक्टरों ने बताया कि उसकी हालत बेहद गंभीर है। उसके शरीर के अंदर संक्रमण तेजी से फैल चुका है। इलाज के दौरान कूपर में ही रुकसाना की मौत हो गई।
पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा
डॉक्टरों ने रुकसाना को मृत घोषित करने के बाद पोस्टमार्टम कराया तो रिपोर्ट में सामने आया कि उसके पेट पर गंभीर चोट लगी है। इससे उसकी आंतों को नुकसान पहुंचा था। इस वजह से पेट और रक्त में संक्रमण फैल गया और रुकसाना की मौत हो गई। मृतका की बहन जारा शेख की शिकायत पर वर्सोवा पुलिस ने शाहनुद्दीन शेख के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। इस मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक सचिन दिलीप पवार कर रहे हैं। पवार ने बताया कि पुलिस पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

चंद्रपुर में बाघ ने एक ही झटके में चार महिलाओं को मार डाला, भंडारा में शख्स की ली जान,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंद्रपुर। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पूर्वी महाराष्ट्र के सबसे घने बाघ क्षेत्र में हाल के वर्षों के सबसे घातक बाघ हमलों में से एक में चंद्रपुर जिले में हुआ है। सिदेवाही वन रेंज में तेंदू के पत्ते इकट्ठा कर रही चार महिलाओं को एक ही हमले में बाघ ने मार डाला। वहीं भंडारा के आद्याल वन रेंज में 55 वर्षीय एक शख्स की जान ले ली। महाराष्ट्र के चंद्रपुर में बाघिन ने गुंजेवाही गांव की 4 महिलाओं की जान ले ली। वन अधिकारियों के अनुसार, ये महिलाएं शुक्रवार सुबह-सवेरे तेंदू के पत्ते इकट्ठा करने जंगल गई थीं, तभी यह हमला हुआ। चंद्रपुर की सिंदेवाही तहसील ताडोबा टाइगर प्रोजेक्ट के करीब है। यहां से बड़े जंगली जानवरों की आवाजाही होती है। इन चार मौतों के बाद इस साल चंद्रपुर जिले में इंसान-वन्यजीव संघर्ष में मरने वालों की संख्या 18 हो गई है। वन विभाग के मुताबिक, चार महिलाओं पर बाघिन का हमला नागपूर से लगभग 200 किलोमीटर दूर सिंदेवाही तहसील के गुंजेवाही वन क्षेत्र में हुआ। गांव की चार महिलाएं शुक्रवार सुबह तेंदू के पत्ते इकट्ठा करने जंगल गई थीं। ये लोग अपनी आजीविका के लिए जंगल पर निर्भर हैं। महिलाओं की पहचान कवटुबाई दादाजी मोहुर्ले (45), अनुबाई दादाजी मोहुर्ले (46), संगीता संतोष चौधरी (36), और

मुंबई- अहमदाबाद बुलेट ट्रेन : सावली से विक्रोली की ओर 21 चट्ट सुरंग खोदेगा TBM,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत 21 किमी लंबी सुरंग का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में मुंबई के पास सावली (घनसोली) शाफ्ट में दूसरी टनल बोरिंगमशीन का विशाल कटरहेड सफलतापूर्वक उतारा गया। यह करीब 13.6 मीटर व्यास और लगभग 350 टन वजन वाला कटरहेड टीबीएम है। देश की महत्वाकांक्षी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में एक और अहम उपलब्धि हासिल हुई है। मुंबई के पास सावली (घनसोली) शाफ्ट में 21 किलोमीटर लंबी सुरंग के निर्माण के लिए दूसरी टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) का विशाल कटरहेड सफलतापूर्वक उतारा गया। करीब 13.6 मीटर व्यास और लगभग 350 टन वजन वाला यह कटरहेड टीबीएम की मुख्य शीलड असेंबली का अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। इसके साथ ही सुरंग निर्माण कार्य को गति मिलने की उम्मीद है। यह दूसरी टीबीएम सावली (घनसोली) से अपनी खुदाई यात्रा शुरू करेगी और विक्रोली की दिशा में आगे बढ़ेगी। इससे पहले इसी सप्ताह पहली टीबीएम का कटरहेड विक्रोली में

डिफेंस सेक्टर में भारत की बड़ी छलांग: शिर्डी में देश का पहला 300 चर्ररेंज वाला रॉकेट सिस्टम ‘सूर्यास्त्र’ लॉन्च

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिरडी में एक बड़े डिफेंस मैनुफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया. इसी दौरान भारत के पहले 300 किलोमीटर यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चिंग सिस्टम ‘सूर्यास्त्र’ को फ्लैग-ऑफ किया गया.
महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिरडी। महाराष्ट्र के शिरडी में शनिवार को एक बड़ा इवेंट हुआ. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मिलकर एक प्राइवेट कंपनी 'NIBE समूह' का डिफेंस मैनुफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स शिरडी में उद्घाटन किया. यहां सबसे बड़ी बात ये रही कि भारत का पहला 300 किलोमीटर तक मार करने वाला रॉकेट लॉन्चिंग सिस्टम ‘सूर्यास्त्र’ को यहां से रवाना किया गया. सूर्यास्त्र भारत का पहला 300 किलोमीटर रेंज वाला यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चिंग सिस्टम है. यानी ये एक ऐसा सिस्टम है जो 300 किलोमीटर दूर तक रॉकेट मार सकता है. इसे इस इवेंट में फ्लैग ऑफ किया गया, यानी औपचारिक तौर पर रवाना किया गया. साथ ही इस सिस्टम के लिए एक मिसाइल कॉम्प्लेक्स की नींव भी रखी गई. राजनाथ सिंह ने क्या कहा? राजनाथ सिंह ने इस मौके पर कई बड़ी बातें कहीं. उन्होंने कहा कि जो देश अपने देश के हथियार बनाते हैं, वो अपनी किस्मत खुद लिखता है. उन्होंने साफ कहा कि भविष्य की

प्राइवेट सेक्टर की भूमिका पर वया बोले?

राजनाथ सिंह ने बताया कि पहले भारत में डिफेंस

मुंबई एयरपोर्ट पर 11.25 करोड़ की कोकीन के साथ 4 विदेशी नागरिक गिरफ्तार

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर डीआरआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 2.25 किलोग्राम कोकीन जब्त की है, जिसकी कीमत 11.25 करोड़ रुपये बताई गई है. पिछले चार दिनों में अदीस अबाबा से आए चार विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है.
महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पिछले चार दिनों में 2.25 किलोग्राम कोकीन जब्त की है. अधिकारियों के मुताबिक बरामद कोकीन की कीमत करीब 11.25 करोड़ रुपये आंकी गई है. इस मामले में चार विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है. डीआरआई अधिकारियों ने बताया कि विशेष सूचना के आधार पर दो अलग-अलग ऑपरेशन चलाए गए. शुक्रवार को अदीस अबाबा से मुंबई पहुंचे एक पुरुष और एक महिला यात्री को रोका गया. पूछताछ के दौरान दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने कोकीन से भरे कैप्सूल निगल रखे हैं. इसके बाद दोनों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से 84 कैप्सूल बरामद किए गए.



सुनीता कौशिक मोहुर्ले (33) के तौर पर हुई है। फॉरेस्ट अफसरों ने बताया कि बाघिन का चार महिलाओं पर हमला करना बहुत ही असामान्य घटना है। उन्होंने आशंका जताी कि बाघिन ने अपनी सुरक्षा या शायद अपने शावकों को बचाने के लिए महिलाओं पर एक-एक करके हमला किया हो। इस घटना से गुंजेवाही इलाके में दहशत फैल गई और वन विभाग के खिलाफ लोगों का गुस्सा फिर से भड़क उठा। सिंदेवाही रेंज की फॉरेस्ट अफसर अंजलि सायकर ने बताया कि घटना की जानकारी



उतारा गया था। अब दोनों मशीनों की अंतिम असेंबली और कमीशनिंग ट्रायल किए जाएंगे। परियोजना के तहत जुलाई 2026 के पहले सप्ताह में इनकी प्रारंभिक ड्राइव शुरू करने की योजना है। 13.6 मीटर व्यास वाला यह कटरहेड एकल सुरंग की खुदाई के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है, जिसमें हार्ड-स्पीड रेल कॉरिडोर की अप और डाउन दोनों लाइनें एक साथ संचालित हो सकेंगी। यह अत्याधुनिक यूनिट 84 कटर डिस्क, 124 स्क्रेपर और 16 बकेट लिफ्ट से लैस है, जो चट्टानों को काटने और मलबा हटाने का काम अत्यधिक दक्षता के साथ करती हैं। परियोजना के लिए अब तक दो अत्याधुनिक टीबीएम प्राप्त हो चुकी हैं, जिनमें टीबीएम-1 का वजन 3080 टन और टीबीएम-2 का वजन 3184 टन है। इन

मशीनों के कटरहेड का व्यास 13.6 मीटर है तथा ये मिक्स शीलड और स्लरी आधारित तकनीक पर कार्य करती हैं। प्रत्येक टीबीएम की कुल लंबाई 95.32 मीटर है। इनमें कटर व्हील, मेन बेयरिंग, जॉ क्रशर, इरेक्टर, मेन शीलड, टेल शीलड और सुरंग निर्माण कार्यों के लिए चार विशेष गैन्ट्री जैसे अत्याधुनिक उपकरण शामिल हैं। ये मशीनें अधिकतम 4 आरपीएम की कटरहेड गति और 49 मिमी प्रति मिनट तक की खुदाई क्षमता के साथ काम कर सकती हैं। इससे सुरंग निर्माण कार्य सुगमित, नियंत्रित और निरंतर गति से पूरा किया जा सकेगा। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना को देश के सबसे बड़े हार्ड-स्पीड रेल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में गिना जाता है और इस नई उपलब्धि को परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रे को चरणबद्ध तरीके से चालू किया जाएगा। पहले चरण में बुलेट ट्रेन सूत से बिलिमोरा के बीच आगले साल 15 अगस्त 2027 तक शुरू करने की तैयारी है। वहीं मुंबई से अहमदाबाद पूरे रूट पर बुलेट ट्रेन चालू होने में 2029 तक का समय लग सकता है। यह ट्रेन 508 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

प्रोडक्शन सिर्फ सार्वकारी कंपनियों और ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों तक सीमित था. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने इसे प्राइवेट सेक्टर के लिए खोला. उन्होंने कहा कि पहले प्राइवेट सेक्टर का डिफेंस प्रोडक्शन में योगदान न के बराबर था, अब ये 25 से 30 फीसदी तक पहुंच गया है. सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले सालों में ये 50 फीसदी तक पहुंचे. उन्होंने कहा कि अब प्राइवेट कंपनियां सिर्फ छोट-मोटे पुर्जे नहीं बनातीं, बल्कि पूरे हथियार सिस्टम बना रही हैं.
क्यों जरूरी है ये सब?

राजनाथ सिंह ने कहा कि आज दुनिया में ट्रेड, सप्लाय चेन और यहां तक कि रेयर अर्थ मिनरल्स को भी हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है. ऐसे माहौल में अगर भारत अपने डिफेंस के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहा तो ये खतरनाक होगा. इसीलिए आत्मनिर्भरता सिर्फ युद्ध के लिए जरूरी नहीं, बल्कि शांति, विकास और आर्थिक मजबूती के लिए भी जरूरी है.

इंडिया टेक्नोलॉजी से घटेगा दिल्ली का प्रदूषण, एडवांस्ड डिवाइस की मदद से हवा होगी साफ



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। प्रदूषण के खिलाफ दिल्ली का युद्ध लगातार जारी है. यह केवल एक मौसम की नहीं, बल्कि 365 दिन साफ हवा और बेहतर जनस्वास्थ्य के लिए चलने वाला अभियान है. दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने कैबिनेट सहयोगी पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और विधायक हरीश खुराना के साथ ‘मेड इन इंडिया’ अत्याधुनिक एयर प्यूरीफिकेशन टेक्नोलॉजी का ऑन-ग्राउंड निरीक्षण किया. दिल्ली मे 21 डिवाइस लगाए गए हैं. जानकारी के मुताबिक ये एडवांस्ड सेल्फ-क्लीनिंग सिस्टम स्मोक, डस्ट, PM2.5, PM10 और हानिकारक प्रदूषकों को नियंत्रित करते हुए प्रति घंटे लगभग 3 लाख लीटर हवा को ट्रीट करते है. मुख्यमंत्री ने रेखा गुप्ता बताया कि प्रदूषण नियंत्रण कोई मौसमी अभियान नहीं, बल्कि लगातार प्राथमिकता का विषय है. उन्होंने कहा कि ये मेड इन इंडिया तकनीकें प्रदूषण कम करने और लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए तैयार की गई हैं.

भारत का पहला जीरो-एमिशन मूविंग एंटी-स्मॉग सिस्टम

भारत का पहला जीरो-एमिशन मूविंग एंटी-स्मॉग सिस्टम कीर्ति नगर और मायापुरी क्षेत्र में तैनात है. यह सड़कों की धूल और प्रदूषण को कम कर क्लीन एयर कॉरिडोर बनाता है, जिससे बेहतर विजिबिलिटी और सांस लेने में आराम मिल सकता है. ट्रायल के तहत इस्तेमाल की जा रही तकनीक PAWAN III पॉल्यूशन कंट्रोल डिवाइस है, जिसे कीर्ति नगर फायर स्टेशन के पास लगाया गया है. अधिकारियों के मुताबिक, यह सिस्टम वाहनों से निकलने वाले प्रदूषण को स्रोत स्तर पर ही नियंत्रित करता है. कैसे काम करते हैं डिवाइस? डिवाइसेज के काम करने के तरीके को समझाते हुए मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि ये सिस्टम अपने आप धूल इकट्ठा करते हैं, और जब स्टोरेज क्षमता भर जाती है, तो 15-20 दिनों बाद अलर्ट भेजते हैं.
‘सरकार दे रही धीमा जहर...’, पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों पर भड़के केजरीवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है. उन्होंने शनिवार को दावा किया कि पिछले 10 से 15 दिनों में तीसरी बार दाम बढ़ाए गए हैं, जिससे पेट्रोल और डीजल करीब 4 से 5 रुपये प्रति लीटर महंगे हो गए हैं. केजरीवाल ने इसे ‘धीमा जहर’ बताते हुए सरकार की नीति पर सवाल उठाए हैं. इस संकट के बीच केजरीवाल ने एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय मुद्दा उठाया. उनका कहना है कि रूस और ईरान भारत को बेहद सस्ता ईंधन देने के लिए तैयार बैठे हैं, लेकिन केंद्र सरकार इसे लेने से साफ मना कर रही है. फैसले पर सवाल खड़े करते हुए उन्होंने देशवासियों से एक अनोखी अपील की. लोगों से सोशल मीडिया पर कमेंट या डायरेक्ट मैसेज (छरू) के जरिए राय मांगी गई है कि भारत को वहां से सस्ता तेल-गैस खरीदना चाहिए या नहीं. उन्होंने बताया कि अब रसीदें गैस भी महंगी हो चुकी है. इसकी वजह से आम आदमी के लिए घर चलाना मुश्किल हो रहा है. लोग इस कदर सदमे में हैं कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि आगे कीमतें कितनी बढ़ेंगी. बाजार में अफवाहें उड़ रही हैं कि पेट्रोल 150 रुपए लीटर तक चला जाएगा. मगर हैरानी की बात यह है कि जब जनता इस पर जवाब मांगती है, तो सरकार की तरफ से सिर्फ सननाटा मिलता है. केजरीवाल ने देश के अलग-अलग राज्यों की जमीनी हकीकत बताते हुए कहा कि संकट सिर्फ महंगाई का नहीं, बल्कि भारी किल्लत का भी है. गुजरात के पेट्रोल पंपों पर ट्रैक्टरों की लंबी-लंबी कतारें लगी हैं और डीजल के लिए लोगों के बीच हाथापाई हो रही है. उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में तो हालात इतने खराब हैं कि लोग रात को घरों की बजाय सड़क पर सो रहे हैं. वे अपना गैस सिलेंडर भरवाने के लिए मच्छरदानी लगाकर रात-रात भर लाइनों में खड़े रहने को मजबूर हैं. इसके अलावा, महाराष्ट्र के अकोला और बुलढाणा में भी तेल के लिए त्राहि-त्राहि मची हुई है. आम आदमी पार्टी के नेता ने कहा कि देश के लोग बस इतना जानना चाहते हैं कि आखिर आने वाले दिनों में क्या होने वाला है और स्थिति कितनी खराब होगी? लेकिन सरकार आंखें मूंदकर बैठी है. उन्होंने सवाल उठाया कि जब जनता परेशान है, तो रूस और ईरान से सस्ता तेल लेने में क्या बुराई है. आखिर सरकार किसके दबाव में इसे लेने से मना कर रही है

सरकार से बातचीत के बाद ट्रांसपोर्ट यूनियन की हड़ताल खत्म, पर्यावरण मंत्री के साथ बातचीत में बनी सहमति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कमर्शल गाड़ियों पर बढ़ाए गए पर्यावरण मुआवजा शुल्क को लेकर चल रही ट्रांसपोर्ट यूनियन की तीन दिवसीय हड़ताल शनिवार को सरकार से बातचीत के बाद समाप्त हो गई। शनिवार देर शाम पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा से यूनियन के नेताओं ने बातचीत की। उन्होंने जल्द से जल्द सभी समस्याएं सुलझाने का आश्वासन दिया। इसके बाद यूनियन ने हड़ताल खत्म करने की घोषणा कर दी। अब रविवार से गाड़ियों की आवाजाही सामान्य हो जाएगी। इससे पहले यूनियन के नेताओं ने भी बैठक की थी। इसमें सरकार को 90 दिन का अल्टीमेटम देने की बात पर सहमति बन रही थी, लेकिन शाम को पर्यावरण मंत्री के साथ संतोषजनक बातचीत के बाद हड़ताल वापस लेने का निर्णय ले लिया गया।

सरकार ने वया आश्वासन दिया?

ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के नेशनल प्रेजिडेंट हरीश सभरवाल ने बताया कि आश्वासन मिला है कि बीएस-6 गाड़ियों को इसीसी से बाहर रखने के लिए सरकार कदम उठाएगी। इसके अलावा फल, सब्जियों और दूसरे जरूरी सामानों की गाड़ियों को इसीसी से छूट दी जाएगी। इसके बाद हमने काम पर लौटने का निर्णय लिया है।
सरकार ने की अपील

सरकार ने अपील भी की थी कि अभी संकट का वक़्त है और आप लोग विचार करें। इसलिए हम आमजन के हित में दोबारा सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए राजी हो गए हैं। हालांकि, हड़ताल के चलते शनिवार को भी गाड़ियों का राजधानी में आना बाधित रहा।

लकीर के फकीर



जंगल में चराई के बाद किसी बछड़े को गांव की गौशाला तक लौटना था। नन्हा बछड़ा था तो अबोध ही, वह चट्टानों, मिट्टी के टीलों, और ढलानों पर से उछलता-कूदता हुआ अपने गंतव्य तक पहुंचने में सफल हो गया। अगले दिन एक कुत्ते ने भी गांव तक पहुंचने के लिए उसी रास्ते का इस्तेमाल किया। उसके अगले दिन एक भेड़ उस रास्ते पर चल पड़ी। एक भेड़ के पीछे अनेक भेड़ चल पड़ीं। भेड़ जो ठहरीं!

उस रास्ते पर चलाफिरी के निशान देखकर लोगों ने भी उसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। ऊंची-नीची पथरीली जमीन पर आते-जाते समय वे-पथ की दुरुहता को कोसते रहते, पथ था ही ऐसा! लेकिन किसी ने भी सरल-सुगम पथ की खोज के लिए प्रयास नहीं किए। समय बीतने के साथ वह पगडंडी उस गाव तक पहुंचने का मुख्य मार्ग बन गई। जिस पर बेचारे पशु बमुश्किल गाड़ी खींचते रहते। उस कठिन पथ के स्थान पर कोई सुगम पथ होता तो लोगों को यात्रा में न केवल समय की बचत होती वरन वे सुरक्षित भी रहते। कालांतर में वह गांव एक नगर बन गया और पथ राजमार्ग बन गया। उस पथ की समस्याओं पर चर्चा करते रहने के अतिरिक्त किसी ने कभी कुछ नहीं किया। बूढ़ा जंगल यह सब बहुत लंबे समय से देख रहा था। वह बरबस मुस्कुराता और यह सोचता रहता कि मनुष्य हमेशा ही सामने खुले पड़े विकल्प को मजबूती से जकड़ लेते हैं और यह विचार नहीं करते कि कहीं कुछ उससे बेहतर भी किया जा सकता है।

हमें यह धर्मरूपी आसक्ति का चश्मा दर किनार करके सभी धर्मों को एक ही नजरिए से देखने की जरूरत है, तभी हम सभी धर्मों की अच्छाई को ग्रहण करके सभी में एक सी समानता और उनकी शिक्षाओं को पहले खुद ग्रहण करने का नजरिया रखेंगे, तभी भेदभाव की दीवार स्वयं ही ढह जाएगी।

धर्म को पहले स्वयं जीवन में उतारें

को मुसलमान होने के फायदे गिनाने में लगे हुए हैं। एक कहता है कि हिन्दू धर्म और उसकी शिक्षाएं महान हैं तो दूसरा कहता है कि आप इस्लाम अपना लो तो आप में आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का संचार होने लगेगा।

मैं मानता हूं कि न सिर्फ हिन्दू, न इस्लाम, बल्कि दुनिया का हरेक धर्म, हरेक पंथ, हरेक सम्प्रदाय महान है। उनके धर्मग्रंथ, उनकी शिक्षाएं, पीर-पैम्बर, महापुरुष इत्यादि सब महान हैं। लेकिन ये नहीं समझ पा रहा हूं कि आप लोग जो दुनिया में धर्म का ज्ञान बांटते फिर रहे हो, पोस्ट दर पोस्ट बड़े लम्बे-चौड़े उपदेश देते रहते हो, लेकिन तुम्हारा धर्म तुम में वो महानता क्यों नहीं पैदा कर पाया। क्या ये महानता का प्रसाद सिर्फ दूसरों में बांटने के लिए ही रख छोड़ा है, जो तुम्हारे हिस्से न आ सका। दूसरी ओर मैं उन मुस्लिम भाइयों से ये जानना चाहूंगा कि तुम कहते हो कि इस्लाम कबूल करने का सीधा फायदा ये है कि आपमें शांति, प्रेम, आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-



अनुपालन जैसे गुणों का वास होने लगेगा, लेकिन भाई तुम तो इस्लाम के मानने वाले हो, किन्तु तुम्हारे जीवन में ऐसे किसी सदगुण का संचार क्यों नहीं हो पाया। कमाल है! जिस चीज को आप लोग स्वयं जीवन में धारण नहीं कर सके, उसी के बारे में दुनिया को उपदेश देने में लगे हुए हैं। और लगे हुए हैं, बस दिन-रात एक दूसरे पर कीचड़ उछलने में, एक दूसरे को निर्वस्त्र करने में।

कर्तव्य ही सम्मान है



हिला-डुले पॉइंट को पकड़े खड़ा रहा। कुछ ही देर में दोनों रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट तेज हुई और रेलगाड़ियां आराम से पॉइंट मेन के द्वारा पकड़े गए पॉइंट की सहायता से अलग-अलग ट्रैक पर निकल गईं। उधर सांप रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट सुनकर पॉइंटमेन का पैर छोड़कर चला गया। रेलगाड़ियों के जाने के बाद जब पॉइंटमेन का ध्यान अपने पैरों की ओर गया तो वह यह देखकर दंग रह गया कि वहां कुछ न था। यह देखकर उसके मन से स्वतः ही निकला, ‘सच ही है, जो इंसान सच्चे मन से लोगों की मदद करते हैं, उनकी सहायता ईश्वर स्वयं करते हैं।’ बाद में जब इस घटना का पता अधिकारियों को चला तो उन्होंने न सिर्फ पॉइंटमेन को शाबासी दी, अपितु उसे पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

बुद्धि व भाग्य में विवाद होने लगा, दोनों एक दूसरे को बड़ा साबित कर रहे थे। राजा ने एक कथा के माध्यम से दोनों का निर्णय किया। भाग्य से यदि किसी को राजा बनाने का प्रयास हो और संसार की सभी वस्तुएं भी हों तो भी बुद्धि के अभाव में वह राजा नहीं बन सकता। यह आलेख इसी तथ्य पर आधारित है।

बुद्धि बड़ी या भाग्य

दी।’’ यह सुनकर राजा ने कहा, ‘‘अच्छा जाओ, मेरी लड़की की सगाई उसके लड़के से करा दो।’’ ‘‘ठीक है, आपकी लड़की की सगाई पक्की करने जाता हूं।’’ तो क्या देखता है कि गड़रिया उससे भी मूल्यवान खड़ाऊं पहने है।

व्यापारी ने सोचा कि हो न हो, यह कोई सिद्ध महात्मा है। उसने वही डेरा लगा दिया और अपना बहुत सा तांबा लदा हुआ सब सामान एक ओर पेड़ के नीचे रख दिया। दोपहरी में गड़रिया धूप से व्याकुल हो उस पेड़ के नीचे तांबे के ढेर के सहारे सिर रखकर सो गया। भाग्य ने उस तांबे के ढेर को सोना कर दिया। व्यापारी ने सोचा कि जिसके छूने से तांबा सोना हो जाता है, उसको राजा बनाना कोई बड़ी बात नहीं। उस व्यापारी ने वही जमीन खरीदी और किला बनवा दिया। सेना की भर्ती की जाने लगी और व्यापारी गड़रिए को पकड़कर किले में ले गया। उसको अच्छे-अच्छे मूल्यवान वस्त्र पहनवाए; मंत्री सेवक आदि कर्मचारी रखे और फिर लड़की वाले राजा को पत्र लिखा कि हमारे राजाजी की विवाह की तिथि लिख दो; उसी दिन बारात आ जाएगी। पत्रोत्तर में राजा ने तिथि लिख दी। इस पर विवाह का प्रबंध होने लगा।

विवाह की तिथि आने पर व्यापारी बारात लेकर चल दिया। जब लड़की वाले राजा का नगर निकट आ गया और उधर से मंत्री, बहुत से नौकर-चाकर, सेना, अस्त्र-शस्त्र, हाथी-चोड़े इत्यादि राजा की अगवानी के लिए आए तो गड़रिए ने विचार किया कि कदाचित् मेरी भेड़ें इनके खेत में चली गई हैं

और ये मेरे कपड़े-लते छीनने आ रहे हैं। अतः उसने झट व्यापारी से कहा, ये सब मेरे कपड़े-लते छीनने के लिए आ रहे हैं। चूंकि यह बात कान में कही गई थी, अतः व्यापारी के सिवा और किसी को मालूम नहीं हुई। लोगों ने व्यापारी से पूछा, ‘‘कुंवरजी क्या आज्ञा दे रहे हैं? कुंवरजी कहते हैं कि जितने लोग स्वागत में आए हैं, सबको पांच-पांच लाख रुपया पुरस्कृत किया जाए।’’ लोग सोचने लगे कि किसी बड़े भारी सम्राट के कुंवर की बारात आई है, लड़की वाला राजा भी घबराया कि मैंने बड़े भारी राजा से नाता जोड़ा है। अब तो ईश्वर ही लाज रखे। अतः उसी दिन राजा की कन्या का विवाह उस गड़रिए से हो गया। जब राजकुमारी गड़रिए के पास आई, तब गड़रिए ने गहनों की आवाज सुन सोचा, हो न हो, कोई चुड़ैल मुझे मारने के लिए आ रही है। यह सोच वह जल्दी से एक दरवाजे की ओट में छिप गया। राजकुमारी कन्या के जाते ही गड़रिए को विचार आया कि अभी एक चुड़ैल से तो मुश्किल से बचा हूं, न मालूम यहां कितनी और चुड़ैल आएंग, अतः यहां से भागना चाहिए। सोच ही रहा था कि उसे एक जीना दिखाई पड़ा। वह झट ऊपर चढ़ गया और वहां एक छेद में हाथ डालकर कूदकर भागने का विचार करने लगा। उसी समय बुद्धि ने भाग्य से कहा, ‘‘देख तेरे बनाने से भी यह राजा न बना। अब यह जल्दी ही गिरकर मृत्यु के मुख में जाना चाहता है।’’ अतः सिद्ध है कि यदि संसार की सारी वस्तुएं भी एकत्रित हों, तो भी जब तक मनुष्य को बुद्धि न आए, वह अपने उद्देश्य को पूर्णतया सिद्ध नहीं कर सकता।

मनुष्यता भलाई में है

यह मानव स्वभाव है कि किसी का अच्छा हो रहा हो, तो उसमें खलल डालता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो बिगड़ती बात को संवारना ही मनुष्यता की परिभाषा मानते हैं, ऐसे ही बयान करती यह कथा प्रस्तुत है।

यह घटना उस समय की है, जब क्रांतिकारी रोशन सिंह को काकोरी कांड में मृत्युदंड दिया गया। उनके शहीद होते ही उनके परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में एक जवान बेटी थी और उसके लिए वर की तलाश चल रही थी। बड़ी मुश्किल से एक जगह बात पक्की

हो गई। कन्या का रिश्ता तय होते देखकर वहां के दरोगा ने लड़के वालों को धमकाया और कहा कि क्रांतिकारी की कन्या से विवाह करना राजद्रोह समझा जाएगा और इसके लिए सजा भी हो सकती है। किंतु वर पक्ष वाले दरोगा की धमकियों से नहीं डरे और बोले, ‘यह तो हमारा सौभाग्य होगा कि ऐसी कन्या के कदम हमारे घर पड़ेंगे, जिसके पिता ने अपना शीश भारत माता के चरणों पर रख दिया।’ वर पक्ष का दृढ़ इरादा देखकर दरोगा वहां से चला आया पर किसी भी तरह इस रिश्ते को तोड़ने के प्रयास करने लगा। जब एक पत्रिका के संपादक को यह पता लगा तो वह आगबबूला हो गए और तुरंत उस दरोगा के पास पहुंचकर बोले, ‘मनुष्य होकर जो मनुष्यता ही न जाने वह भला क्या मनुष्य? तुम जैसे लोग बुरे कर्म कर अपना जीवन सफल मानते हैं किंतु यह नहीं सोचते कि तुमने इन कर्मों से अपने आगे के लिए इतने कांटे बो दिए हैं, जिन्हें अभी से उखाड़ना भी शुरू करो तो अपने अंत तक न उखाड़ पाओ। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते तो उससे छीनने का प्रयास भी न करो।’ संपादक की खरी-खोटी बातों ने दरोगा की आंखें खोल दीं और उसने न सिर्फ कन्या की मां से माफ़ी मांगी, अपितु विवाह का सारा खर्च भी खुद वहन करने को तैयार हो गया। विवाह की तैयारियां होने लगीं। कन्यादान के समय जब वधू के पिता का सवाल उठा तो वह संपादक उठे और बोले, ‘रोशन सिंह के न होने पर मैं कन्या का पिता हूं। कन्यादान मैं करूंगा।’



धन-सम्पदा का गर्व चकनाचूर



यूनान में आलिसबाएदीस नामक एक बहुत बड़ा संपन्न जमींदार था। उसकी जमींदारी बहुत बड़ी थी। उसे अपने धन-वैभव एवं जागीर पर बहुत अधिक गर्व था। वह इसका वर्णन करते हुए थकता नहीं था। एक दिन वह प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात के पास जा पहुंचा और अपने ऐश्वर्य का वर्णन करने लगा। सुकरात उसकी बातें कुछ देर तक सुनते रहे। फिर उन्होंने पृथ्वी का एक नक्शा मंगवाया। नक्शा फैला कर उन्होंने आलिसबाएदिस से पूछा-अपना यूनान देश इस नक्शे में कहाँ है? जमींदार कुछ देर तक नक्शा देखने के बाद एक जगह अंगुली रख कर बोला ‘अपना यूनान देश यह रहा।’ सुकरात ने पुनः पूछा-और अपना एटिका राज्य कहाँ है? बड़ी कठिनाई के बाद जमींदार एटिका राज्य को ढूँढ सका। अच्छा, इसमें आपकी जागीर की भूमिका कहाँ है? सुकरात ने एक बार फिर पूछा। अब जमींदार कुछ सकपका गया। वह बोला-आप भी खूब हैं, इस नक्शे में इतनी छोटी-सी जागीर कैसे बताई जा सकती है? तब सुकरात ने कहा-भाई! इतने बड़े नक्शे में जिस भूमि के लिए एक बिन्दु भी नहीं रखा जा सकता, उस नन्ही-सी भूमि पर आप गर्व करते हैं? इस पूरे ब्रह्माण्ड में आपकी भूमि और आप कहाँ कितने हैं, जरा यह भी तो सोचिए। सुकरात के मुंह से यह सुनते ही आलिसबाएदिस का अपनी जागीर और सम्पत्ति पर जो गर्व था, चकनाचूर हो गया। व्यक्ति को अपनी धन-संपदा का बखाना तथा उस पर गर्व नहीं करना चाहिए।

एक

बार बुद्धि

और भाग्य में

झगड़ा हुआ। बुद्धि ने

कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं

जिसे चाहूँ सुखी कर दूँ। मेरे बिना

कोई बड़ा नहीं हो सकता।।’’ भाग्य ने

कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं तेरे बिना

काम कर सकता हूँ। तू मेरे बिना काम नहीं कर

सकती।।’’ इस तरह दोनों ने अपनी-अपनी ओर से

दलीलें जोर-शोर से दीं। बुद्धि ने भाग्य से कहा कि उस

गड़रिए को जो जंगल में भेड़ें चरा रहा है, मेरी

सहायता के बिना राजा बना दो तो समझूँ कि तुम

बड़े हो। भाग्य ने राजा बनाने का प्रयत्न शुरू कर

दिया। उसने बहुत कीमती खड़ाऊँ जिसमें लाखों

रुपए के नग लगे थे, गड़रिए को दी। भाग्य ने एक

व्यापारी को वहां पहुंचा दिया।

व्यापारी उन खड़ाऊँओं को देखकर विस्मित

हुआ। उससे कहा, तुम ये खड़ाऊँ बेच दो।।’’

गड़रिए ने वो अनमोल खड़ाऊँ जिनमें एक-एक

हीरा करोड़ों रुपए का था, दो मन चनों के बदले में

बेच डालीं। यह देखकर भाग्य ने और प्रयत्न किया।

अब उस व्यापारी ने वे खड़ाऊँ राजा को भेंट की तो

राजा देखकर हेरान हो गया। व्यापारी से पूछा,

‘‘तुमने ये खड़ाऊँ कहाँ से पाई? व्यापारी ने कहा

‘‘महाराज एक राजा मेरा मित्र है उसने ये मुझे



गुरिंदरवीर ने रचा इतिहास, 100 मीटर में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

रांची (एजेंसी)। पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह ने यहां के बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में आयोजित फेडरेशन कप के फाइनल में 100 मीटर दौड़ को केवल 10.09 सेकंड में ही पूरा कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना दिया। यहा के साथ ही यह उपलब्धि हासिल करने वाले गुरिंदरवीर पहले भारतीय धावक बन गए हैं। गुरिंदरवीर ने 100 मीटर की रेस को 10.10 सेकंड के अंदर पूरा किया जो भारतीय टैक एंड फील्ड इतिहास में पहली बार हुआ है। वहीं पहले सेमीफाइनल में अनिमेष कुजूर ने 10.15 सेकंड का समय निकालकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया था, जबकि गुरिंदरवीर ने 10.17 सेकंड में दौड़ पूरी की थी। यह अपने आप में एक कड़े मुकाबले का संकेत था पर फाइनल में गुरिंदरवीर ने अपनी पूरी वापसी करते हुए, 10.09

सेकंड समय निकालर कर इतिहास रचा, बल्कि अनिमेष के 10.20 सेकंड के समय को भी पीछे छोड़ दिया।

गुरिंदरवीर की दौड़ की शुरुआत अविश्वसनीय रूप से तेज रही और उन्होंने पूरी रेस में अपनी बढ़त बनाए रखी। फिनिश लाइन पार करते ही, उन्होंने जोश में अपनी जर्सी से बिंब नंबर निकालकर ट्रैक पर फेंक दिया और जोरदार अंदाज में अपनी ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाया। उनके बिंब पर स्पष्ट रूप से लिखा था, ‘काम अभी पूरा नहीं हुआ’ और उसके नीचे ‘10.10S’ अंकित था, जिसे उन्होंने शानदार तरीके से पार कर दिखाया। यह उनके निजी लक्ष्य और महत्वाकांक्षा को दर्शाता है।यह उपलब्धि गुरिंदरवीर के लिए एक लंबा और चुनौतीपूर्ण सफर दर्शाती है। तीन साल पहले, उन्हें

पाचन संबंधी गंभीर बीमारी के कारण एक साल तक ट्रैक से दूर रहना पड़ा था। उस मुश्किल समय में उन्हें सिस्टम से ज्यादा समर्थन नहीं मिला, लेकिन बाद में रिलायंस फाउंडेशन से जुड़ने के बाद उनकी ट्रेनिंग, फिटनेस और प्रदर्शन में अभूतपूर्व सुधार आया। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि अनिमेष और अन्य साथी खिलाड़ियों के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा ने उन्हें लगातार बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया है, जिससे भारतीय स्प्रिटिंग में एक नया जोश पैदा हुआ है। अब इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ, गुरिंदरवीर और अनिमेष दोनों ने आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स के क्वालिफिकेशन मार्क को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। यह दोनों धावकों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर है।



आईपीएल 2026 में लगे सबसे ज्यादा छक्के

–वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक छाये रहे



मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अपने आक्रामक अंदाज के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा और राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी छाये रहे हैं। इन दोनों ने ही जमकर चौके और छक्के लगाये हैं। इन दोनों के अलावा अन्य बल्लेबाज भी चौके और छक्के लगाने में पीछे नहीं रहे। लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच हुए रोमांचक मुकाबले के बाद, इस सत्र में कुल 1305 छक्के दर्ज लगे हैं। इससे पिछले साल 2025 में लगे 1294 छक्कों का रिकॉर्ड टूट गया।

यह आईपीएल के इतिहास में पहला अवसर है जब किसी एक सत्र में 1300 से अधिक छक्के लगे हैं। ये इस टूर्नामेंट में बढ़ती आक्रामकता और पावर-हिटिंग के बढ़ते चलन को दर्शाता है। अभी लीग चरण के दो और प्लेऑफ के चार मुकाबले बाकी हैं, जिससे उम्मीद है कि यह आंकड़ा 1400 के पार भी पहुंच सकता है, जिससे यह सीजन और भी यादगार बन जाएगा।

रॉयल्स के मात्र 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव इस सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज हैं, जिन्होंने अब तक 53 छक्के लगाए हैं। यह एक आईपीएल सीजन में किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है। वैभव की नजरे अब वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल

के एक आईपीएल सीजन में 59 छक्कों के रिकॉर्ड पर टिकी है, जिसे वह तोड़ने के बेहद करीब हैं।

वैभव के अलावा, सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रमक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने भी छक्कों की झड़ी लगाई है। उन्होंने अब तक आईपीएल 2026 में 43 छक्के लगाये हैं और उनकी टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी है, जिससे उन्हें अपने छक्कों की संख्या बढ़ाने के कई और मौके मिलेंगे। शीर्ष पांच छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में इन दो भारतीय सितारों के अलावा, रायन रिक्लेटन 37, मिचेल मार्श 36 और कूपर कोनोली 32 जैसे विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने अपनी टीमों के लिए अहम योगदान दिया है। आईपीएल में छक्कों का बढ़ता ग्राफ साफ तौर पर देखा जा सकता है— जहां 2023 में 1124 छक्के लगे थे, वहीं 2024 में यह संख्या 1260 तक पहुंची, पिछले सीजन 2025 में 1294 छक्के दर्ज किए गए, और अब 2026 में यह आंकड़ा 1305 तक पहुंच चुका है। यह सीजन बल्लेबाजों के दबदबे और आक्रामक क्रिकेट का पर्याय बन गया है।

आईपीएल में पहली ही गेंद पर सबसे अधिक बार विकेट लेने वाले गेंदबाज बने शमी



लखनऊ। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के नाम आईपीएल में एक ऐसा रिकार्ड है जो अन्य किसी भी गेंदबाज के नाम नहीं है। शमी आईपीएल में पहली ही गेंद पर सबसे अधिक बार विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए शमी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में सलामी बल्लेबाज प्रियांशु आर्या को अर्जुन तेंदुलकर के हाथों कैच कराकर ये रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने इस मामले में राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ़ा आर्चर का रिकॉर्ड तोड़ा है। आर्चर ने तक पांच बार इस लीग में पहली ही गेंद पर विकेट लिया था। वहीं शमी ने छठी बार पहली गेंद पर विकेट लेकर अपनी श्रेष्ठा साबित की और यह दिखाया है कि पहले ओवर में बल्लेबाजों के लिए उनका सामना करना कितना कठिन होता है। यह सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि उनकी निरंतरता और हर मैच की शुरुआत में ही प्रभाव छोड़ने की उनकी क्षमता का प्रमाण है। शमी के इस आईपीएल सत्र के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 13 मैचों में 12 विकेट लिए, जिसमें उनका इकोनॉमी रेट 9 का रहा। पिछला सत्र हालांकि उनके लिए अच्छा नहीं रहा था। जिसके बाद बाद सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ ट्रेड कर दिया था। इस सीजन में उनकी शुरुआत काफी अच्छी रही, हालांकि वह एक मैच से बाहर रहे।

श्रेयस अय्यर ने बनाया खास रिकॉर्ड, आईपीएल में लक्ष्य हासिल करते हुए शतक लगाने वाले चौथे कप्तान बने

लखनऊ (उत्तर प्रदेश) (एजेंसी)। पंजाब किंग्स (PBKS) के कप्तान श्रेयस अय्यर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के इतिहास में रन चेज करते हुए सेंचुरी बनाने वाले चौथे कप्तान बन गए हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के खिलाफ ‘करो या मरो’ वाले मैच में अय्यर, वीरेंद्र सहवाग, विराट कोहली और संजु सैमसन के साथ IPL की एक खास लिस्ट में शामिल हो गए। उन्होंने 51 गेंदों में 101* रन बनाए जिसमें 11 चौके और 5 छक्के शामिल थे, और उनका स्ट्राइक रेट 198.04 रहा।

इससे पहले रन चेज करते हुए शतक लगाने वाले कप्तान वीरेंद्र सहवाग (2011 में डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ 119 रन), विराट कोहली (2016 में राइजिंग पुणे सुपर जायंट के खिलाफ 108* रन) और संजू सैमसन (2021 में पंजाब किंग्स के खिलाफ 119 रन) थे। अय्यर, केएल राहुल (2020 में रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु के खिलाफ 132*) और एडम गिलक्रिस्ट (2011 में रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु के खिलाफ



106 रन) के बाद IPL में शतक लगाने वाले तीसरे PBKS कप्तान भी बन गए हैं। इतना ही नहीं अय्यर ने टी20 क्रिकेट में अपने 7000 रन भी पूरे कर लिए हैं। अब तक 254 टी20 मैचों की 247 पारियों में अय्यर ने 35.02 की औसत और

135 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 7,076 रन बनाए हैं जिसमें चार सेंचुरी और 48 अर्धशतक शामिल हैं।

मौजूदा IPL सीजन में अय्यर ने 13 पारियों में 55.33 की औसत और 168.01 के स्ट्राइक



राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को 30 रन से हराया, प्लेऑफ में पहुंची

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर

लीग के मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई इंडियंस को 30 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही राजस्थान रॉयल्स ने प्लेऑफ में प्रवेश कर लिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 205 रन बनाए। टीम के लिए ध्रुव जुरेल ने 38 रन, जोफ़ा आर्चर ने तेज 32 रन और दसुन शनाका ने 29 रनों की विस्फोटक पारी खेली। वहीं रवींद्र जडेजा ने नाबाद 19 और नंदे बगर ने 3 गेंदों में 10 रन बनाकर टीम को जगनूत स्कोर तक पहुंचाया। मुंबई की ओर से दीपक चाहर और शार्दूल ठाकुर



ने 2-2 विकेट हासिल किए।

206 रन के लक्ष्य का पीछा करने

उत्तरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत बेहद

खराब रही। रोहित शर्मा बिना खाता खोले

लखनऊ सुपरजायंट्स करेगी बदलाव, ऋषभ को कप्तानी से हटाया जाना तय

लखनऊ (एजेंसी)। ऋषभ पंत की कप्तानी में लगातार दसरे सत्र में भी लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम का प्रदर्शन आईपीएल में बेहद खराब रहा है और टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी। पंजाब किंग्स के खिलाफ अंतिम लीग मैच में मिली करारी हार के साथ ही टीम का सफर भी समाप्त हो गया।

सुपरजायंट्स की टीम लीग में केवल 4 मैच जीतकर 8 अंकों के साथह ही अंतिम स्थान पर रही, ऐसे में कप्तान ऋषभ पंत पर गाज गिरनी तय है। माना जा रहा है कि अब प्रबंधन ऋषभ को कप्तानी से हटाने जा रहा है। प्रबंधन अगले सत्र को देखते हुए बड़े बदलाव कर सकता है। टीम के डायरेक्टर टीम मूडी ने संकेत दिये हैं कि अगले सत्र में टीम नये कप्तान के साथ उठेगी।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के बाद मूडी ने स्पष्ट किया, जहां तक नेतृत्व की बात है, जिसमें बदलाव को लेकर गंभीरता से विचार किया जाएगा। ऐसा लगता है कि हमें एक नए सिरे से

शुरुआत करने पर विचार करने की आवश्यकता है। इस बयान से साफ है कि ऋषभ की कप्तानी जाना तय है।

इस आक्रामक विकेट कीपर बल्लेबाज को हटाए जाने के कई कारण बताए हैं। उनमें से एक ये भी है कि कप्तानी के दबाव में उनकी बल्लेबाजी प्रभावित हुई है।

मेगा नीलामी के लिए लखनऊ ने एक अच्छी टीम तैयार की थी पर वह खिलाड़ियों का सही तरीके से प्रयोग नहीं कर पाये। इस्तेमाल करने में नाकाम साबित हुए। उनके कई फैसले भी गलत रहे। वह स्वयं सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे। जिसके कारण निकोलस पूरन को मध्यक्रम में उतारा गया पर ये प्रयोग विफल रहा। इसके बाद पूरन को तीसरे नंबर पर उतरा गया। इस प्रकार ये सत्र बल्लेबाजी क्रम में बदलाव में ही रह गया। इसा पूरा नुकसान टीम को हुआ। इस तरह पूरे सत्र में कप्तान केवल टीम संयोजन में ही लगे रहे। इससे टीम का प्रदर्शन भी प्रभावित हुआ। इसी कारण ऋषभ को कप्तानी खोनी



पड़ रही है।

ऋषभ का स्वयं का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा। वहीं आईपीएल 2024 में उन्होंने 14 मैचों में 138.05 की साधारण स्ट्राइक रेट से केवल 312 रन बनाए, जिसमें वह सिर्फ एक बार 50 रन से ऊपर पहुंच पाये। पिछले सत्र में भी उनका प्रदर्शन खराब रहा और वह केवल 269 रन बना पाये थे। इससे साफ है कि कप्तानी के बोझ से उनकी बल्लेबाजी प्रभावित हो रही है।

राहुल द्रविड़ ने क्रिकेट के साथ परिवार को भी दी मजबूत पहचान

– बेटे आगे बढ़ा रहे विरासत



11 जनवरी 1973 को इंदौर में जन्मे

राहुल द्रविड़ मराठी ब्राह्मण परिवार से आते हैं। उनके पिता शरद द्रविड़ एक खाद्य कंपनी में वरिष्ठ पद पर कार्यरत थे, जबकि उनकी मां पुष्पा द्रविड़ इंजीनियरिंग कॉलेज में आर्किटेक्चर की प्रोफेसर थीं। परिवार में शिक्षा और अनुशासन का माहौल रहा, जिसका असर राहुल के

व्यक्तित्व में भी साफ दिखाई देता है। उनके छोटे भाई विजय द्रविड़ ने भी शुरुआती दिनों में उनका पूरा साथ दिया। साल 2003 में राहुल द्रविड़ ने नागपुर की सर्जन डॉ. विजेता पेंडारकर से विवाह किया। दोनों की मुलाकात पारिवारिक संबंधों के जरिए हुई थी। शादी के बाद विजेता ने मेडिकल पेशे के साथ परिवार की जिम्मेदारियां भी

संभालीं। राहुल कई बार कह चुके हैं कि उनकी सफलता में पत्नी का बड़ा योगदान रहा है। दंपति के दो बेटे हैं, समित द्रविड़ और अनव्य द्रविड़। राहुल हमेशा अपने बच्चों को मीडिया की चकाचौंध से दूर रखते आए हैं और उन्हें सामान्य जीवन देने की कोशिश करते हैं।

अब द्रविड़ परिवार को क्रिकेट विरासत उनके बेटे आगे बढ़ाते नजर आ रहे हैं। समित द्रविड़ एक ऑलराउंडर खिलाड़ी हैं और कर्नाटक की आयु वर्ग टीमों के लिए शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कूच बेहार ट्रॉफी में बल्ले और गेंद दोनों से प्रभाव छोड़ा। वहीं छोटे बेटे अनव्य द्रविड़ विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में पहचान बना रहे हैं। उन्होंने विजय मचेंट ट्रॉफी में बेहतरीन बल्लेबाजी की और कर्नाटक टीम की कप्तानी भी संभाली। इस तरह राहुल द्रविड़ की क्रिकेट यात्रा अब नई पीढ़ी के जरिए आगे बढ़ती दिखाई दे रही है।

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज हारते ही पाकिस्तान टीम पर बरसे कोच सरफराज

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच सरफराज अहमद ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली 2-0 की शर्मनाक हार पर निराशा जताते हुए टीम को कड़ी फटकार लगायी है। सिलहट में हुए दूसरे और अंतिम टेस्ट में 58 रन से मिली हार के बाद सरफराज ने टीम बैठक में खिलाड़ियों की नकारात्मक मानसिकता और व्यक्तिगत प्रदर्शन पर भी सवाल उठाए। इस दौरान टीम मैनेजर नदीम चौधो और सहयोगी स्टाफ के सदस्य भी उपस्थित थे। सरफराज ने विशेष रूप से बल्लेबाजों पर निराशा साधा और कहा कि खिलाड़ी केवल अपने आंकड़ों के लिए खेलते दिखे। कही भी ऐसा नहीं लगा कि टीम के लिए खेल रहे हों। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा होना चाहिए पर उसका लाभ टीम को नहीं मिले तो कोई मतलब नहीं निकलता।। पूरी सीरीज में टीम का एक भी बल्लेबाज 200 रन तक नहीं पहुंच सका। केवल युवा अजान अब्बेस ने ही शतक लगाया। कोच ने सीनियर खिलाड़ियों पर जिम्मेदारी से नहीं खेलने का भी आरोप लगाया। रिपोर्ट के अनुसार सरफराज, कप्तान शान मसूद की खराब कप्तानी से भी नाराज दिखे। उन्होंने मैदान पर फैसले लेने में कमजोरी और डिआरएस रिव्यू नहीं लेने जैसे मामले पर भी सवाल उठाये। गोरतब है कि दूसरे टेस्ट में पाक टीम ने बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम और लिटन दास के खिलाफ अहम रिव्यू नहीं लिया जब लिटन दास 52 रन पर थर बाद में, उन्होंने 126 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी। बांग्लादेश ने इससे 6 विकेट पर 116 रनों के बाद भी मैच में वापसी कर ली। ये भी कहा जा रहा है कि सरफराज जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे तक मुख्य कोच बने रहेंगे। पाक टीम को वेस्टइंडीज में वहां दो टेस्ट मैच खेलने हैं, जिसके बाद इंग्लैंड दौरा भी होना है। इस दौर में शॉन मसूद यादव ही कप्तान रहें। उनकी कप्तानी में पाक टीम 16 टेस्ट में से 12 हारी है।

रेट से 498 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं और उनका बेस्ट स्कोर 101* है। पंजाब किंग्स (PBKS) के लिए अय्यर ने 31 मैचों की 30 पारियों में 52.47 की औसत और 172 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 1102 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं।

मैच की बात करें तो PBKS ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। जोश इंग्लिस (44 गेंदों में 72 रन, 9 चौके और दो छक्के), आयुष बडोनी (18 गेंदों में 43 रन, 5 चौके और 3 छक्के) और अब्दुल समद (20 गेंदों में 37* रन, तीन चौके और तीन छक्के) की तूफानी पारियों की बदौलत टीम 20 ओवरों में 196/6 के स्कोर तक पहुंच गई। PBKS की तरफ से युजवेंद्र चहल (2/25) और मार्को जानसेन (2/33) सबसे सफल गेंदबाज रहे।

लक्ष्य का पीछा करते हुए अय्यर (51 गेंदों में 101* रन, 11 चौके और 5 छक्के) और प्रभसिम्पर सिंह (39 गेंदों में 69 रन, सात चौके

और दो छक्के) टीम के हीरो साबित हुए। उन्होंने टीम को एक बेहद जरूरी जीत दिलाई जिससे उनकी लगातार छह मैचों की हार का सिलसिला टूट गया। टीम ने 7 विकेट और दो ओवर शेष रहते यह जीत हासिल की।

PBKS पॉइंट्स टेबल में 7 जीत और छह हार के साथ 15 अंकों के साथ चौथे स्थान पर वापस आ गई है। अगर आज राजस्थान रॉयल्स (RR) मुंबई इंडियंस (MI) को हरा देती है तो PBKS टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा और RRR 16 अंकों के साथ चौथा प्लेऑफ स्थान हासिल कर लेगी। अगर RRR हार जाती है, तो कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) को दिन के दूसरे मैच में दिल्ली कैपिटल्स (DC) को बड़े अंतर से हराना होगा ताकि वे नेट-रन-रेट के मामले में PBKS से आगे निकल सकें और 15 अंकों के साथ उनकी बराबरी करके चौथा प्लेऑफ स्थान हासिल कर सकें। अब पंजाब किंग्स की किस्मत इन दो मैचों पर निर्भर है।

ISSF विश्व कप में मनु भाकर और स्वप्रिल कुसाले करेंगे भारतीय टीम की अगुवाई



नई दिल्ली (एजेंसी)।

ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले की अगुवाई में 35 सदस्यीय भारतीय निशानेबाजी टीम 24 से 30 मई तक जर्मनी के म्यूनिख में होने वाले ISSF विश्व कप 2026 में प्रतिस्पर्धा करेंगी। म्यूनिख निशानेबाजी स्पर्धा राइफल और पिस्टल शूटर्स के लिए इस साल का दूसरा ISSF विश्व कप है।भारत ने पिछले महीने स्पेन के ग्रेनाडा में हुए पहले विश्व कप में मुकेश नेलावल्ली और पलक गुलिया ने 10मी एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

पेरिस 2024 मेडलिस्ट मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले के शामिल होने से म्यूनिख लेग से पहले इंडियन टीम मजबूत हुई है। दोनों ने ग्रेनाडा में सीजन-ओपनर में हिस्सा नहीं लिया था।स्वप्रिल ने दो साल पहले 50मी राइफल श्री पोजीशन में ओलंपिक कांस्य पदक जीता था। अब वह अपनी पर्सदीदा स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। मनु भाकर महिलाओं की 10मी एयर पिस्टल और 25मी पिस्टल स्पर्धा में हिस्सा लेंगी, ह्रस्वश्व विश्व कप में प्रत्येक स्वर्ण पदक विजेता साल के आखिर में होने वाले ह्रस्वश्व विश्व कप फाइनल के लिए क्वालिफाई करता है, जो दिसंबर में इटली के रोम में होगा।

बेटे अर्जुन के अच्छे प्रदर्शन पर उत्साहित सचिन ने लिखा भावुक संदेश

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को आईपीएल 2026 में अंतिम लीग मैच में ही खेलने का अवसर मिला जिसमें अर्जुन ने शानदार गेंदबाजी की। इससे उनके पिता सचिन भी भावुक हो गये। हो भी क्यों न आखिरकार 13 मैचों के इंतजार के बाद उनके बेटे को अवसर मिला जिसमें उसने अपने को साबित कर दिया। अर्जुन ने इस मैच में चार ओवर में 36 रन देकर एक विकेट लिया। बेटे के इस बेहतरीन प्रदर्शन को देखकर उत्साहित सचिन ने अपनी भावनाएं सोशल मीडिया के जरिये जाहिर की है। अर्जुन लखनऊ के लिए सबसे कम रन देने वाले गेंदबाज रहे। बेटे के इस बेहतरीन प्रदर्शन पर सचिन ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लिखा, शाबाश, अर्जुन! इस सीजन में अपने जिस तरह से अपने को संभाला, उस पर मुझे गर्व है। आने हमेशा अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखा, धैर्य बनाए रखा, चुपचाप कड़ी मेहनत की और अंतिम मैच तक अवसर मिलने का इंतजार करने के बाद भी सकारात्मक बने रहे। सचिन ने आगे कहा, क्रिकेट में कौशल के साथ–साथ धैर्य की भी परीक्षा होती है और आज आपने दोनों को बखूबी निभाया। अपने पैर जमीन पर रखे और हमेशा की तरह खेल के प्रति अपना ध्यान बनाए रखें। हमेशा आपके लिए मेरा स्नेह रहेगा। अर्जुन के प्रभावी प्रदर्शन के बाद भी हालांकि सुपरजायंट्स इस मैच में जीत हासिल नहीं कर पायी।

एरिक सिमंस बोले वापसी का फैसला खुद माही ही करेंगे



नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के अगले आईपीएल सत्र में खेलने को लेकर बड़ा बयान दिया है। सिमंस ने साफ कहा कि धोनी खुद तय करेंगे कि वह कब और कैसे मैदान पर वापसी करेंगे। उन्होंने बताया कि पैर की चोट के कारण 44 वर्षीय धोनी इस सत्र में एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए, लेकिन नेट अभ्यास के दौरान उनकी बल्लेबाजी पहले जैसी ही नजर आ रही है। सिमंस ने दोहराया कि धोनी संभाला अपनी फिटनेस और टीम की जरूरत को ध्यान में रखकर ही कोई फैसला लेते हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर सिमंस ने कहा कि धोनी कभी व्यक्तिगत उपलब्धियों को प्राथमिकता नहीं देते। उनके अनुसार, अगर धोनी को लगता है कि वह पूरी तरह फिट नहीं है तो वह नहीं खेलेंगे, लेकिन यदि वह खुद को तैयार महसूस करेंगे तो निश्चित रूप से मैदान पर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि धोनी हमेशा टीम के हित को सबसे ऊपर रखते हैं और उनका खेलना टीम के लिए फायदेमंद साबित होता है। सिमंस ने इस सीजन में टीम की फील्डिंग को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि चेन्नई सुपर किंग्स की फील्डिंग उम्मीद के मुताबिक नहीं रही, जबकि टीम ने इस विभाग में काफी मेहनत की थी। उन्होंने कहा कि पूरे टूर्नामेंट में टीम ने कई शानदार कैच लिए, लेकिन कुछ आसान मौके भी गंवाए, जिसने उन्हें निराश किया। सिमंस के मुताबिक फील्डिंग कोच अब इस बात का विश्लेषण करेंगे कि टीम को आगे कैसे बेहतर किया जाए।

आईपीएम की चौथी टीम के लिए रॉयल्स सबसे बड़ी दावेदार

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में जहां प्लेऑफ के लिए लिए पहले तीन स्थान तय हो गये हैं। वहीं चौथे स्थान के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के बीच मुकाबला है। इन तीनों में से, राजस्थान रॉयल्स की दावेदारी सबसे मजबूत है। उसके पास अपने बल पर प्लेऑफ में पहुंचने का सबसे अच्छा अवसर है। यदि राजस्थान मुंबई इंडियंस (एमआई) को हरा देती है, तो सीधे शीर्ष 4 में पहुंच जाएगागी। वहीं अगर वह यह मैच हार जाते हैं, तो बाहर हो जाएगी। ऐसे में चौथे स्थान के लिए पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच टक्कर होगी और इसमें नेट रन रेट से फैसला होगा। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए प्लेऑफ्स का रास्ता थोड़ा जटिल है और कई समीकरणों पर निर्भर करता है। उन्हें न सिर्फ अपने आखिरी मैच में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को हर हाल में हराना होगा, बल्कि यह भी उम्मीद करनी होगी कि मुंबई इंडियंस, राजस्थान रॉयल्स को हरा दे। वहीं पंजाब किंग्स पहले ही अपने सभी लोग मुकाबले खेल चुकी है और उसके 15 अंक हैं।

